दैनिक पंचांग

सूर्योदयः 06:56 ए एम
सूर्यास्तः 05:24 पी एम
तिथिः अष्टमी - 07:21 ए एम तक
क्षय तिथिः नवमी - 06:14 ए एम
नक्षत्रः पूर्व भाद्रपद - 05:44 ए एम
योगः हर्षण - 09:34 ए एम तक
करणः बव - 07:21 ए एम तक
पक्षः शुक्ल पक्ष
वारः गुरुवार

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

Digital Edition

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 2022 • अंक 245 • पृष्ठ 8 • दुमका, गुरुवार 1 दिसंबर 2022 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

UDISE Code- 20110108005, JEPC Code- RTE/20/2021-22
Affiliated By Jharkhand Education Project Council
RGS gurukulam
(An Unit of Shatan Ashram)
Bright Future for your Kids
For More Detail : www.rgsgurukulam.com, Email- gurukulamrgs@gmail.com
Dhadhkia, Dumka, Mob.- 8409399342 (Principal), 7903712653 (Vice Principal)

Opening Shortly IX to X
Class Nursery to VIII
Medium Hindi & English
Admission Open
For More Detail : www.rgsgurukulam.com
School Van Facility Available

Drawing Class, Midday Meal, Computer Class, Yoga Class, Science Lab, Smart Class

संक्षिप्त समाचार

टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल खेल रत्न से सम्मानित

नयी दिल्ली/एजेंसी। टेबल टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी अचंता शरत कमल को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रीय खेल पुरस्कार समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश के सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानचंद खेल रत्न से सम्मानित किया. शरत खेल रत्न हासिल करने वाले एकमात्र खिलाड़ी रहे। बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय, महिला मुक्केबाज निकहत जरीन, ट्रैक एवं फील्ड खिलाड़ियों एल्धोस पॉल और अविनाश साबले सहित 25 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। समारोह का मुख्य आकर्षण शरत थे जिन्होंने दरबार हॉल में मौजूद चुनिंदा गणमान्य व्यक्तियों की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच अपना खेल रत्न पुरस्कार प्राप्त किया। खेल रत्न पिछले चार वर्षों की अवधि में एक खिलाड़ी को शानदार और सबसे उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया जाता है. इसमें 25 लाख रुपये का नकद पुरस्कार, एक पदक और सम्मान पत्र दिया जाता है।

मारा गया आईएसआईएस सरगना अबू हसन अल-हाशिमी अल-कुरैशी

बेरुत/एजेंसी। खूंखार आतंकी संगठन आईएसआईएस का सरगना अबू हसन अल-हाशिमी अल-कुरैशी की मौत हो गई है। आतंकी ग्रुप के प्रवक्ता ने इसकी जानकारी दी। एएफपी ने अपनी रिपोर्ट में इसका खुलासा किया है। आईएसआईएस के प्रवक्ता ने बताया कि एक युद्ध में अबू हसन अल-हाशिमी अल-कुरैशी की मौत हुई है। इसके साथ ही खूंखार आतंकी संगठन के नए नेता का भी एलान किया गया है।

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स
63,099.65+417.81 (0.67%)
निफ्टी
18,758.35+140.30 (0.75%)

गैंगरेप केस में 11 दोषियों की रिहाई के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची बिलकिस बानो

नई दिल्ली/एजेंसी।

बिलकिस बानो ने एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। दोषियों की समय से पहले रि-हाई को लेकर बिलकिस बानो ने सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू पिटीशन दाखिल की है। बिलकिस ने शीर्ष अदालत के मई में दिए उस आदेश के खिलाफ पुनर्विचार याचिका दाखिल की है, जिसमें दोषियों की रिहाई का फैसला गुजरात सरकार पर छोड़ा था। फिर गुजरात सरकार ने दोषियों को रिहा कर दिया था। बिलकिस ने सभी को फिर से जेल भेजने की मांग की है। बिलकिस की ओर से कहा गया है कि इस मामले में रिहाई की नीति गुजरात की नहीं, बल्कि महाराष्ट्र की लागू होनी चाि-हए, क्योंकि महाराष्ट्र में ही यह मामला सुना गया और सजा भी यहीं सुनाई गई थी। वहीं, बिलकिस बानों ने सभी दोषियों की रिहाई के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका भी दाखिल की है।

● सजा माफी नीति के तहत रिहाई दी गई

बता दें कि गुजरात सरकार की ओर से सजा माफी नीति के तहत सभी 11 दोषियों की रिहाई की इजाजत दे दी गई थी, जिसके बाद दोषियों को इस साल 15 अगस्त को रिहा कर दिया गया था। इन दोषियों ने जेल में 15 साल से अधिक समय बिताया।

● गैंगरेप-हत्या मामले में उम्र कैद की सजा थी

मुंबई की एक स्पेशल सीबीआई कोर्ट ने 21 जनवरी 2008 को सभी 11 दोषियों को गैंगरेप और बिलकिस बानो के परिवार के सात सदस्यों की हत्या के आरोप में उम्र कैद की सजा सुनाई थी। इस फैसले को बंबई हाई कोर्ट ने भी बरकरार रखा था। गौरतलब है कि गुजरात में 2002 के दंगों के दौरान बिलकिस बानो के साथ गैंगरेप किया गया था, उस वक्त वह 21 वर्ष की थीं और वह पांच महीने की गर्भवती थीं। परिवार के मारे गए सात सदस्यों में उनकी तीन साल की बेटी भी शामिल थी।

'केंद्र सरकार बिहार के साथ अन्याय कर रही': सीएम नीतीश

पटना/एजेंसी।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मास्टर स्ट्रोक खेला है। साल 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भारतीय जनता पार्टी को उसी के जाल में घेरा और कहा है कि बिजली के दाम देश स्तर पर एक होने चाहिए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 'वन नेशन वन ट्रैरिफ' की वकालत की है और केन्द्र से इसकी मांग की है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उर्जा क्षेत्र की 15871.24 करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात जनता को दिया, जिसमें 2635.30 करोड़ रुपये की योजनाओं का लोकार्पण, 5930.89 करोड़ रुपये की योजनाओं का शिलान्यास और 7305.05 करोड़ रुपये की योजनाओं का शुभारंभ किया। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने ग्रामीण बिजली उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने के कार्य का शुभारंभ भी किया। समारोह में उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव और उर्जा मंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव भी उपस्थित रहे। नीतीश कुमार ने केंद्र सरकार से मांग की है कि अब देश में कि वन नेशन वन टैरिफ बिजली का रेट लागू होना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिहार में जो बिजली दी जा रही है। वह काफी महंगी दी जा रही है। केंद्र सरकार को देश के हर नागरिक का कल्याण करना है तो हर राज्य को एक दर पर बिजली मुहैया करे। उन्होंने कहा कि देश में एक मूल्य पर हर राज्य को बिजली मुहैया कराई जाए, वह सही नहीं है। उन्होंने कहा, विकसित राज्य को किस मूल्य पर बिजली दी जा रही है और बिहार जैसे गरीब राज्यों को किस मूल्य पर बिजली केंद्र सरकार दे रही है, यह देखने की जरूरत है। केंद्र सरकार हर राज्य को अलग-अलग दर पर बिजली क्यों देती है। इस पर सवाल उठना चाहिए।

ASHOKA LIFE CARE
YOUR WAY TO BETTER HEALTH
Nucare Hospital
1st Private Setup in Santhal Paragna | Modular OT Oxygen Plant

DR. NURUL HUDA MBBS, MD Anesthesia
DR. INDRADEV KISKU MBBS General Medicine
DR. PARVEJ ALAM MBBS General Medicine
DR. TUSHAR JYOTI MBBS, M.S. (Ortho) MCh (Ortho) Senior Orthopedic Consultatnt
DR. UJJAWAL SINHA MBBS, DNB (Ortho), Anthroscopic & Arthroplasty Surgeon
DR. AVIJEET MBBS, M.S. (Ortho) DNB (Ortho)
DR. IFTIKAR AHMAD MBBS (Ortho)
DR. SHASHI MBBS M.S. (Gen. Surgery)

OUR FACILITY
1. Orthopedics Joint Replacement Joint Arthroscopy Spine Injuries
2. Complex Trauma
3. General Surgery
4. Physiotherapy
5. ICU
6. DR System X-RAY
7. Laboratory Service (Home Collection done)
8. Pharmacy

यदि आपको निम्नलिखित समस्या है
• खेल से संबंधित चोटें • मांसपेशियों की चोट
• घुटनों के लिगामेंट की चोटें • दूरबीन के ऑपरेशन
• कंधे की चोटें • पी.आर.पी. टीटमेंट
• कंधे का बार-बार उतरना • स्पोर्टस फिजियोथेरेपी

दर्द का इलाज
बिना ऑपरेशन
आधुनिक दवाइयों और इंजेक्शन के द्वारा आपके सभी तरह के दर्द का उचित इलाज
कमर दर्द, स्लीप डिस्क, गर्दन दर्द, घुटनों का दर्द जोड़ों का दर्द, गठिया का दर्द, टखने एवं एड़ी का दर्द सर दर्द, स्पोर्टस इंजूरी, नसों का दर्द, कैंसर का दर्द
डॉ. समीर सौरभ
पेन स्पेशलिस्ट
M.B.B.S., M.D., FIPM (GER)

आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना 5 लाख रु. तक गरीब परिवारो का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा

CALL 7480942213
KUMHAR PARA DUMKA, JHARKHAND

2.39 करोड़ मतदाता पहले चरण में 89 उम्मीदवारों के भाग्य करेंगे तय

गुजरात विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए प्रचार थमा, चुनाव आज

अहमदाबाद/एजेंसी।

गुजरात विधानसभा चुनाव पहले चरण की 89 सीट के लिए गुरुवार 1 दिसम्बर को मतदान होगा। गुजरात विधानसभा पहले चरण के लिए प्रचार अभियान मंगलवार 29 नवम्बर को समाप्त हो गया है। पहले चरण में गुजरात के 19 जिलों की 89 सीटों पर मतदान डाले जाएंगे। पहले चरण के चुनाव में 788 प्रत्याशी जीत के लिए लड़ रहे हैं। 2.39 करोड़ मतदाता गुजरात चुनाव के पहले चरण में 89 उम्मीदवारों का भाग्य लिखेंगे। गुजरात की मुख्य चुनाव आयुक्त पी भारती ने बताया कि, केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को तैनात कर दिया गया है। चुनाव के पहले चरण में कुल 2,39,76,760 मतदाता मतदान करेंगे। पहले चरण का मुकाबला कांग्रेस और भाजपा दोनों के लिए बेहद अहम है। पर आम आदमी पार्टी की तो लाटरी ही लगेगी। उसके पास खोने को तो कुछ नहीं है सिर्फ पाना ही है।

● प्रचार समाप्त, कल मतदान

गुजरात विधानसभा चुनाव के पहले चरण का प्रचार समाप्त हो गया है। एक दिसंबर को मतदान होगा। सभी इंतजाम कर लिए गए हैं। 19 जिलों में मतदान होगा। मतदान कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। 50 फीसद मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिग की जाएगी।

● 25393 पोलिंग स्टेशन बनाए गए

19 जिलों की 89 विधानसभा सीटों पर मतदान के लिए 25393 पोलिंग स्टेशन बनाए गए हैं। कुल मतदाता 2,39,56,817 हैं। जिसमें 1,24,22,518 पुरुष और 1,15,33,797 महिलाएं हैं। इसके अलावा 503 मतदाता थर्ड जेंडर के भी है।

जिला समन्वय समिति की बैठक मे विभिन्न विषयों पर हुई चर्चा , उपायुक्त ने पदाधिकारियों को दिया कई दिशा निर्देश

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गयी।

बैठक में उपायुक्त ने सभी विभागों के समीक्षा के एवं विभाग द्वारा क्रियान्वित योजनाओं को लक्ष्य के अनुरूप ससमय पूरा करने का निदेश दिया।सामाजिक सुरक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने निर्देश दिया कि पहाड़िया टोला का सर्वे कराकर हाउसहोल्ड की संख्या प्राप्त करें तथा आदिम जनजाति समाज के योग्य लाभुकों को पेंशन से आच्छादित करने का कार्य करें।कहा कि दिव्यांग पेंशन योग्य लाभुकों को मिले इसे सुनिश्चित करें। प्रखंड स्तर पर कैंप लगाकर दिव्यांगता प्रमाण पत्र निर्गत करने का कार्य किया जाए।जरमुंडी प्रखंड में 9 दिसंबर,सरैयाहाट प्रखंड में 12 दिसंबर,
रानीश्वर प्रखंड में 14 दिसंबर,रामगढ़ प्रखंड में 16 दिसंबर,जामा प्रखंड में 19 दिसंबर,मसलिया प्रखंड में 21 दिसंबर,शिकारीपाड़ा प्रखंड में 23 दिसंबर को कैंप लगाकर दिव्यांगता प्रमाण पत्र निर्गत किया जाएगा।

उपायुक्त ने निर्देश दिया कि उक्त कार्यक्रम से पूर्व सभी योग्य लाभुकों का यूडीआईडी पोर्टल में रजिस्ट्रेशन कराना सुनिश्चित करें।उपायुक्त ने कहा कि ठंड को देखते हुए क्षेत्र का रात्रि भ्रमण कर सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी अपने प्रखंड के योग्य लाभुकों के बीच कंबल का वितरण करें। नगर परिषद क्षेत्र में यथा बस स्टैंड,रेलवे स्टेशन में असहाय, दिव्यांग तथा बुजुर्गों के बीच कंबल का वितरण किया जाय। जगह जगह पर अलाव की व्यवस्था भी की जाए।कल्याण विभाग की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने निर्देश दिया कि मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत सभी योग्य लाभुकों को लाभ दिया जाए प्रखंड विकास पदाधिकारी अपने प्रखंड के योग्य लाभुकों को चिन्हित करते हुए उक्त योजना से आच्छादित करने का कार्य करें।उन्होंने मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना की समीक्षा की तथा कहा कि विभिन्न विभागों द्वारा विभागीय कार्य हेतु आउटसोर्सिंग में वाहन रखा जाता है।सीएमजीपी के तहत वाहन लेने वाले लाभुकों की वाहनों को प्राथमिकता के आधार पर रखा जाय।कहा कि कल्याण विभाग द्वारा गरीबी रेखा से नीचे की 630 महिलाओं को सिलाई मशीन निर्गत किया जाना है। सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी लाभुकों की सूची तैयार कर जल्द से जल्द जिला कार्यालय को उपलब्ध कराने का कार्य करें।उन्होंने कहा कि प्री मैट्रिक स्कॉलरशिप तथा पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप हेतु निर्धारित लक्ष्य को पूरा करें। वरी पदाधिकारी क्षेत्र भ्रमण के दौरान छात्रवृत्ति की जानकारी बच्चों से प्राप्त करें।बिरसा आवास योजना की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने कहा कि वर्ष 2020-2,2021-22 तथा 2022-23 में प्राप्त लक्ष्य को पूरा करें। सभी अपूर्ण आवास को मॉनिटरिंग कर पूर्ण कराने का कार्य किया जाए।मुख्यमंत्री पशुधन योजना की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि शेड निर्माण कार्य पूर्ण कर चुके लाभुकों की राशि का भुगतान जल्द से जल्द किया जाए। अपूर्ण शेड निर्माण कार्य का निरीक्षण कर पूर्ण कराने हेतु आवश्यक कार्रवाई करना सुनिश्चित करें।उपायुक्त ने आपूर्ति विभाग की समीक्षा करते हुए नितेश दिया कि सभी पंजीकृत लाभुकों को पेट्रोल सब्सिडी योजना का लाभ दिया जाए। अभियान चलाकर राशन कार्ड से आधार कार्ड को जोड़ने का कार्य किया जाए। इस दौरान जानकारी दी गई कि सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के दौरान लगभग 5000 नए ग्रीन राशन कार्ड योग्य लाभुकों के बीच वितरित किए गए। उपायुक्त ने कहा कि सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रखंड स्तर पर आपूर्ति विभाग की समीक्षा करें तथा यह सुनिश्चित करें कि सर समय राशन का वितरण किया जाए। इस संबंध में समय-समय पर डीलर के साथ भी बैठक करें तथा बैठक में ग्राम प्रधान और मुखिया को भी सम्मिलित करें। जानकारी दी गई कि वर्तमान में 1030 डीलर हैं जिनके द्वारा राशन का वितरण किया जाता है। उपायुक्त ने कहा कि सभी योग्य लाभुकों को ससमय राशन उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। निर्देश दिया कि एमओ अगर कार्य में किसी भी प्रकार की कोताही बरतते हैं तो नियमानुसार कार्रवाई का प्रस्ताव भेजने का कार्य करें। काकी डाकिया योजना से आच्छादित आदिम जनजाति लाभुकों को ससमय राशन मिले इसे सुनिश्चित करें।जानकारी दी गई कि लगभग 8997 आदिम जनजाति परिवार हैं जिन्हें उक्त योजना का लाभ दिया जा रहा है। उपायुक्त ने कहा कि ईपोस मशीन के अनुसार प्राप्त आवंटन के अनुरूप राशन का वितरण नहीं करने वाले डीलरों को चिन्हित करते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जाए।उपायुक्त ने कहा कि सभी पदाधिकारी आपस में समन्वय बनाकर कार्य करें तथा राशन,पेंशन,आवास तथा पानी से संबंधित समस्याओं को नियमानुसार दूर करने का कार्य करें। किस परिस्थिति में डीलर के द्वारा राशन का वितरण नहीं किया जा रहा है इस आशय का स्पष्टीकरण उनसे प्राप्त किया जाए।आपदा प्रबंधन विभाग की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने कहा कि सड़क दुर्घटना में मृत्यु होने वाले के परिवार को मुआवजा देने में देरी नहीं हो इसे सुनिश्चित किया जाए।शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि समर्थ विद्यालय का भ्रमण कर विद्यालय के व्यवस्था का अवलोकन करें अगर बच्चों को किसी प्रकार की कोई कठिनाई हो रही हो तो नियमानुसार जल्द से जल्द उसे दूर करने का कार्य करें। उन्होंने निर्देश दिया कि शिक्षा विभाग 3 दिसंबर से 15 दिसंबर तक सभी विद्यालयों का भ्रमण कर विद्यालय की कमियों से रिपोर्ट तैयार करें तथा उपायुक्त कार्यालय को अवगत कराएं। उन्होंने एमडीएम की बैठक समय-समय पर करने का निर्देश दिया।उपायुक्त ने निर्देश दिया कर पीएम किसान शत प्रतिशत लाभुकों का ईकेवाईसी कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने ईकेवाईसी में खराब प्रदर्शन करने वाले प्रखंड को स्पष्टीकरण करने का निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने कृषि ऋण माफी योजना की भी समीक्षा की। केसीसी की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने निर्देश दिया कि बैंक से समन्वय स्थापित कर आवेदनों का निष्पादन कराना सुनिश्चित करें। सरकार आपके द्वार में केसीसी से संबंधित प्राप्त आवेदनों का निष्पादन प्राथमिकता के आधार पर कराया जाए।उपायुक्त ने कहा कि वैसे लाभुक जिन्हें मनरेगा के तहत कूप दिया गया है 90% अनुदान पर पंपिंग सेट वितरण करने का प्रावधान है। ऐसे लाभुकों को चिन्हित करते हुए पंपिंग सेट उपलब्ध कराया जाए।गव्य विकास की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि पशुधन विकास योजना के तहत 50% अनुदान पर डीप बोरिंग कराया जाना है। लाभुकों को चिन्हित करते हुए उक्त योजना से आच्छादित करने का कार्य किया जाए।गव्य विकास योजना के तहत 90% अनुदान पर दिव्यांगजनों को गाय उपलब्ध कराया जाना।उक्त योजना हेतु लाभुकों का चयन करें तथा उन्हें योजना का लाभ दिलाने का कार्य करें।इस दौरान उन्होंने समाज कल्याण विभाग आत्मा सहित अन्य विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की तथा कई आवश्यक निर्देश दिए।बैठक में उप विकास आयुक्त सहित जिला प्रशासन के वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

एमजी कॉलेज में जगदीश चंद्र बोस की जयंती मनाई गई

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। एम जी कॉलेज के विज्ञान विभाग की ओर से वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस की जयंती प्राचार्य डॉ अब्दुल रईस खान की अध्यक्षता मे मनाई गयी ।जिसमे सर्व प्रथम उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किया गया ।तत्पश्चात उनके जीवन पर प्रकाश डाला गया ।इस अवसर पर मंच संचालन वनस्पति विभाग के प्राध्यापक डॉ प्रशांत पातर एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर माजिद नदीम अहसन ने किया। इस अवसर प्राचार्य ने उनके जिंदगी पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा न तो जिंदगी गारंटी नहीं वारंटी नहीं देती बल्कि जिंदगी अवसर देती है। सभी बच्चो को अपने जीवन मे नेक कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर प्रोफेसर उदय प्रसाद सिंह, अशोक कुमार रॉय, आबिद राजा, अन्थोनी हांसदा, विजय कुमार राणा,तलत नूर ,डॉ रूपम कुमारी, डॉ अवर्णा रॉय,डॉ रूपम कुमारी, आरिफ खान, राहुल सहा , प्रभात मंडल, श्रीमंत चटर्जी, आदि उपस्थित थे ।इसके साथ सभी छात्र छात्राओं मे नूपुर भंडारी, स्नेहा, नीतीशा, ऋतिक, चंपा, सेमोली, मोनिशा आदि ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया ।इसकी जानकारी मीडिया प्रभारी डॉ रूपम कुमारी ने दी।

सोशल मीडिया में चल रही खबर भ्रामकः बीडीओ

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। सरैयाहाट मे पंचायत समिति सदस्यों की बैठक में बीडीओ ने किया पत्रकारों के साथ दुर्व्यवहार से सम्बंधित सोशल मीडिया में चल रही खबर का बीडीओ दयानन्द जायसवाल ने खंडन करते हुए बताया की बैठक में किसी के साथ कोई दुर्व्यवहार नहीं हुआ है। बीडीओ ने बताया की पत्रकार लोकतंत्र का एक मजबूत स्तम्भ है और उनके स्तर से पत्रकारों को पूरा सम्मान दिया जाता है। कुछ लोग उनकी छवि को धूमिल करने के उद्देश्य से इस तरह के भ्रामक खबरों को फैला रहें है जो बिलकुल ही अनुचित है।

प्रखंड स्तरीय मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। काठीकुंड प्रखंड के प्लस टू उच्च विद्यालय स्टेडियम में बुधवार को प्रखंड स्तरीय मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 12 पंचायतों आसनपहाडी,तेलियाचक बाजार, बिछिया पहाड़ी,कालाझर,बड़तल्ला, कादमा,धावाडंगाल,बडा चापुडिया, पांदनपहाडी,आस्ताजोडा,झिकरा एवं पीपरा की टीम ने भाग लिया। प्रतियोगिता के द्वितीय राउंड में छह पंचायत आसनपहाडी,कालाझर, कादमा,बड़ा चापुडिया,पंदानपहाडी एवं पीपरा की टीम ने प्रवेश किया। गुरुवार को छह पंचायतों की टीम एक दूसरे के आमने सामने होंगी। अंचलाधिकारी सह प्रभारी प्रखंड विकास पदाधिकारी अमर जॉन आईंद ने बताया कि गुरुवार को होने वाले द्वितीय राउंड में जो टीम जीतेगी उन सभी तीन टीमों को पेनल्टी शूटआउट के द्वारा विजयी घोषित किया जाएगा। बताया कि पेनल्टी शूटआउट के दौरान गोलकीपर नहीं रहेंगे, जिस भी टीम के 11 खिलाड़ी ज्यादा गोल करेंगे उसी टीम को विजेता घोषित किया जाएगोविजेता टीम को जिला स्तरीय मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल प्रतियोगिता में भेजा जायेगा।मौके पर सहायक अभियंता अनंत कुमार भंडारी, कनीय अभियंता शंकर राम,इरशाद अंसारी,सुशील सोरेन,मुखिया एसथेर मरांडी,चांदनी देवी,लुकस मुर्मू, शांतीलाल मुर्मू,रोशन मुर्मू,छोटू मुर्मू, एंथोनी मुर्मू,प्रशांत कुमार दत्ता, मनोज टुडू, समेत कई कर्मचारी उपस्थित थे।

स्कूली बच्चों को संविधान के बारे में विस्तारपूर्वक बताया

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। नालसा व झालसा के निर्देशानुसार संविधान सप्ताह कार्यक्रम के तहत दुमका जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष सह प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार मिश्र एवं प्राधिकार के सचिव के मार्गदर्शन में आज सभी प्रखंडों में प्रतिनियुक्त पैरा लीगल वालंटियर के द्वारा माइक्रो लेवल पर कार्यक्रम कराया गया।साथ ही राजकीय मध्य विद्यालय,डंगालपाड़ा में बच्चों के बीच पेंटिंग क्विज तथा निबंध लेखन का कार्यक्रम करवाया गया तथा बच्चों को संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकार एवं कर्तव्य के बारे में विस्तारपूर्वक समझाया गया।

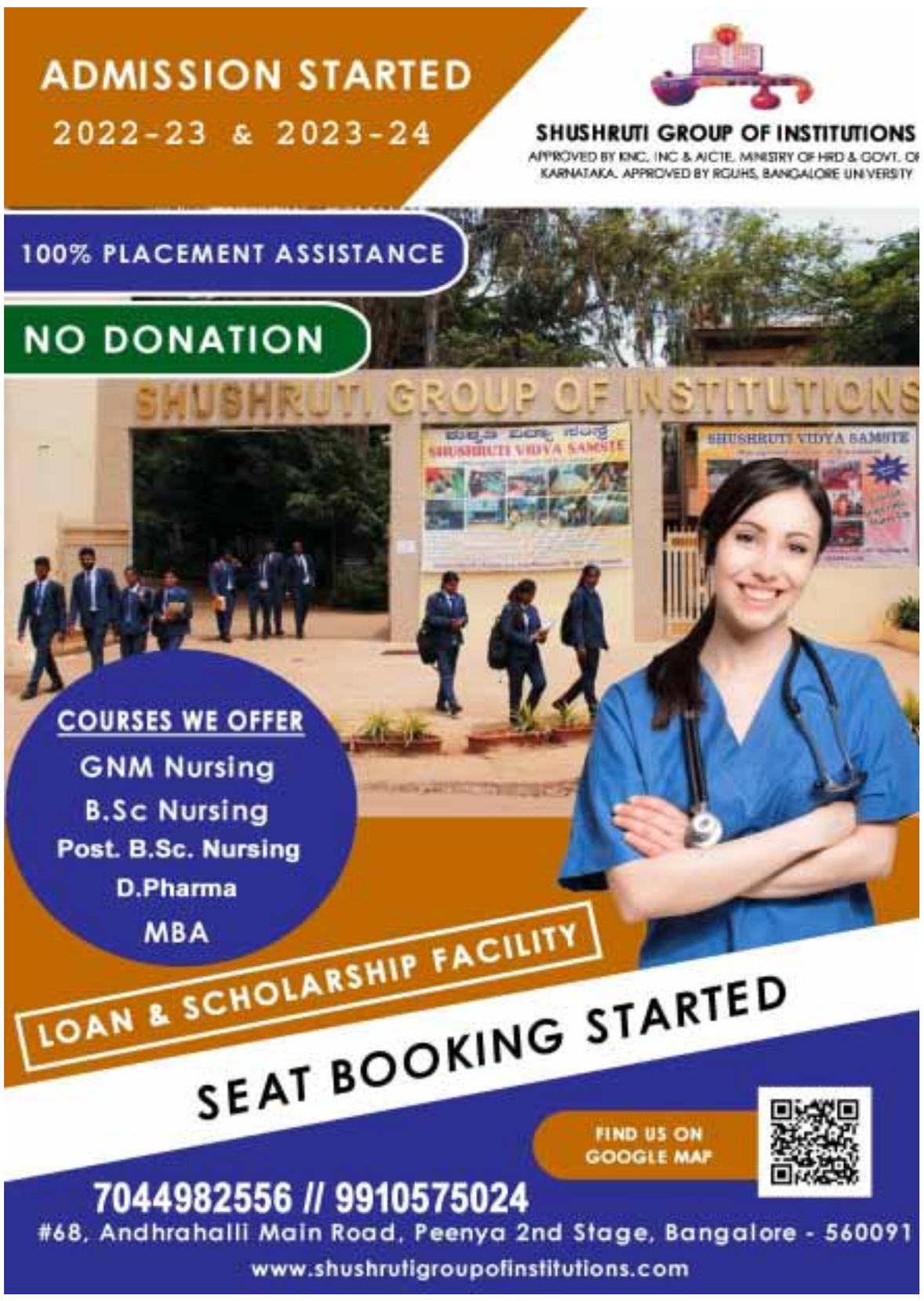

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय समिति की बैठक हुई

जिला अंतर्गत संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन पर की गई विस्तृत चर्चा

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । समाहरणालय स्थित सभागार में बुधवार को जिला विकास समन्वय समिति की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त वरुण रंजन ने की। बैठक में पिछली बैठक में उपायुक्त द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन की क्रमवार समीक्षा की गई। संबंधित विभागों के वरीय पदाधिकारियों ने निर्देशों के अनुपालन की जानकारी उपायुक्त के समक्ष रखी। कुछ लंबित कार्यों को पूरा करने का उपायुक्त ने निर्देश दिया। इस दौरान उपायुक्त द्वारा, कृषि, आपूर्ति, समाज कल्याण, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा आदि विभाग से संबंधित कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की गई। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा पी.पी.टी प्रेजेंटेशन के माध्यम से कार्यरत योजनाओं के सम्बंध में विस्तृत जानकारी दी गई। इसमें उन्होंने मुख्य रूप से कृषि, शिक्षा, समाज कल्याण, आधारभूत संरचना, कौशल विकास व विकास के मानकों पर विशेष रूप से कार्य करने के निर्देश दिए। इस दिशा में सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए कार्य करें। साथ ही उन्होंने सभी सम्बन्धित अधिकारी व कर्मी को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश देते हुए कहा कि कल्याणकारी योजनाओं को सफल बनाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। इस दौरान विभिन्न विभागों की समीक्षा करते हुए सभी पात्र लाभुकों को लाभान्वित करने का निदेश दिया गया तथा आ रही समस्याओं का त्वरित निष्पादन करने के आवशयक निदेश दिए गए। सामाजिक सुरक्षा विभाग अन्तर्गत संचालित योजनाओं के लक्ष्य के विरूद्ध किए गये कार्यों की भी उपायुक्त ने बिंदुवार समीक्षा किया।समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने सामाजिक सुरक्षा के सहायक निदेशक को विभाग अन्तर्गत संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार कर लोगों को जागरूक करते हुए योग्य लाभुकों को लाभान्वित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने सहायक निदेशक को सिविल सर्जन के साथ समन्वय स्थापित कर यूडीआईडी कार्ड का जो फार्म लंबित है उसे इस माह तक पूर्ण करने का निर्देश दिया।शिक्षा विभाग के समीक्षा क्रम में उपायुक्त ने निर्देश दिया कि जिले के सभी विद्यालयों में शिक्षकों का शत प्रतिशत ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराया जाए।

बैठक के दौरान आपूर्ति विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवशयक व उचित दिशा निर्देश दिया गया। ग्रीन कार्ड व अन्य कार्यों के लिये आपसी समन्वय के साथ त्वरित निष्पादन करने का निदेश सभी संबंधित अधिकारियों को दिया। जिला आपूर्ति पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि सोना सोबरन धोती साड़ी योजना के तहत 89 प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति की जा चुकी है, पूर्ण लक्ष्य प्राप्ति के लिए उचित कार्य किये जा रहे हैं। इस बैठक में प्रधानमंत्री आवास, श्रम विभाग, सहकारिता, मत्स्य विभाग, कृषि विभाग आदि की समीक्षा करते हुए पदाधिकारियों को आपसी समन्वय बनाकर विकास योजनाओं को ससमय पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि सरकार द्वारा स्वीकृत सभी योजनाओं को ससमय धरातल पर उतारना संबंधित पदाधिकारियों का कर्तव्य है, किसी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नही किया जाएगा। बैठक में बिरसा आंबेडकर आवास योजना की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को लंबित आवासों को शीघ्र अतिशीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि जिला में स्वास्थ्य, समाज कल्याण, आपूर्ति, कृषि व शिक्षा के क्षेत्र में विकासशील कार्य किये जाएं। इसमें सभी पदाधिकारी अपने स्तर से गुणवत्तापूर्ण कार्य करना सुनिश्चित करें। बैठक में उप विकास आयुक्त मो शाहिद अख्तर,सिविल सर्जन डॉक्टर मंटु कुमार टेकरीवाल, अपर समाहर्ता मंजु रानी, अनुमंडल पदाधिकारी हरिवंश पंडित, सभी विभागों के वरीय पदाधिकारी एवं सभी बीड-ीओ, सीओ आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

आंगनबाड़ी सेविकाओं की मासिक बैठक हुई

पाकुड़ । **(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)** । पाकुड़िया बाल विकास परियोजना की महिला पर्यवेक्षिका अगाथा हांसदा एवं मंदोदरी देवी की संयुक्त अध्यक्षता में बुधवार को प्रखंड के सभी आंगनबाडी सेविकाओं की मासिक बैठक परियोजना सभागार में सम्पन्न हुई। मौके पर मौजूद सेविकाओं को पर्यवेक्षिका चित्रलेखा कुमारी द्वारा पोषण ट्रैकर एप्स के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दिया गया और अपने अपने पोषक क्षेत्र के सभी बच्चों का पोशन ट्रैकर एप्स में वजन और लंबाई नाप कर डालने के लिए कहा गया। साथ ही सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में साफ सफाई का विशेष ध्यान रखते हुए बच्चों को ससमय स्कूल पूर्व शिक्षा देने का भी निर्देश दिया गया। मौके पर प्रखंड के सभी सेविका मौजूद थे।

जलवायु परिवर्तन से होने वाले प्रभाव के बारे में विस्तृत चर्चा

पाकुड़ । **(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)** । लोक कल्याण सेवा केंद्र टीडीएच एवं झारखंड यूथ नेटवर्क के सहयोग से ग्लोबल एक्शन मंथ के तहत क्लाइमेट चेंज जलवायु परिवर्तन को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन उत्क्रमित उच्च विद्यालय दुर्गापुर में किया गया। जिसमें उपस्थित सभी यूथ को जलवायु परिवर्तन से होने वाले प्रभाव के बारे में विस्तृत रूप से संस्था के सेंटर हेड राजीव रंजन द्वारा बताए गए उसके बाद बच्चों को विभिन्न प्रकार के माध्यम से होने वाले जलवायु परिवर्तन के कारणों के बारे में बताया गया जैसे कि प्लास्टिक से होने वाले नुकसान, कल कारखानों से निकले धुआं एवं कचरा से हानि, वृक्ष के कटाव से जलवायु परिवर्तन के कारण बे मौसम बरसात जानकारी दी गई। राज्य समन्वयक लेक गार्डन विमेन एंड चिल्ड्रन डेवलपमेंट सेंटर के नवनीत कुमार के द्वारा सभी यूथों को अपने अधिकार एवं पर्यावरण सुरक्षा के बारे में बताया गया कि कैसे हम युथ पर्यावरण की रक्षा करेंगे तभी हमारी रक्षा हो पाएगी। कार्यक्रम में ग्लोबल एक्शन मंथ के तहत क्लाइमेट चेंज को लेकर सिग्नेचर कंप्लेन हस्ताक्षर अभियान का कार्यक्रम कराया गया। जिसका थीम है सिस्टम चेंज नोट क्लाइमेट चेंज। इस कार्यक्रम में यूथ, संस्था के सदस्य सुचित्रा मुर्मू, अर्पित भगत विद्यालय की शिक्षक सुनील सोरेन एवं अन्य उपस्थित हुए।

बिजली का बिल वकाया रखने वाले हो जाएं सावधान, जल्द करें पैसे जमा नही तो कटेगी बिजली

- **5000 रुपए से अधिक बकाया वाले बिजली उपभोक्ताओं का काटा गया कनेक्शन**

पाकुड़ । **(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)** । पाकुड़िया प्रखंड क्षेत्र के पाकुड़िया, छोटाउदलबनी, मोंगला बांध, तेतुलिया, आमकोना, राजपोखर सहित अन्य गांव में राजस्व वसूली में वृद्धि के लिए बिजली विभाग ने क्षेत्र में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। विभाग ने इसके लिए कई टीम का गठन किया है। विभाग के कर्मी गांव-गांव जाकर बिजली के उपभोक्ताओं से बकाया बिजली बिल जमा करने के लिए कह रहे हैं। उपभोक्ताओं से राशि जमा भी कराई जा रही है। इसके अलावा जिन उपभोक्ताओं के पास ज्यादा बकाया है, उनके कनेक्शन भी काटी जा रही है। बुधवार को मिस्त्री प्रेम गुप्ता, राजेश मंडल, मोहम्मद सिकंदर अंसारी, उत्तम गोराई, हनीफ अंसारी, द्वारा कई लोगों का बिजली कनेक्शन काटा गया। 5000 से ऊपर वाले का विद्युत कनेक्शन काटा गया। क्षेत्र के गांव में 15 दिनों में कूल 80 से 85 कंजूमर का कनेक्शन काटा गया। यह कनेक्शन काटने की प्रक्रिया माह के प्रत्येक 15 से 30 तारीख तक काटी जायेगी। बिजली बिल नहीं जमा करने वाला सभी व्यक्ति का बिजली कनेक्शन काटा जाएगा। उपरोक्त जानकारी कनियअभियंता ने दी।

मांडू विधायक जेपी पटेल ने किया चेक डैम का शिलान्यास

चरही । **(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)** । चुरचू प्रखण्ड के आंगो पंचायत के बेला गांव लघू सिंचाई विभाग के द्वारा डुण्डुबेड़ा नाला निर्माण कार्य को मांडू के विधायक जय प्रकाश भाई पटेल ,स्थानीय जनप्रतिनिधि के द्वारा संयुक्त रूप से भूमि पूजन किया । यह चेक डैम का निर्माण कार्य सुरेन्द्र प्रसाद मेहता कन्ट्रक्शन के तहत पैंतालीस लाख बत्तीस हज़ार छह सौ पच्चास रुपये की लागत से निर्माण होगा। इस भूमि पूजन कार्यक्रम में मुख्य रूप से विधायक जेपी पटेल , कनीय अभियंता अजय कुमार , पंचायत समिति सदस्य शीतल हेम्ब्रम , आंगो पंचायत पूर्व मुखिया धानेश्वर सिंह, पैक्स अध्यक्ष शयाम सुंदर भारती उ×फ तापेश्वर यादव , चन्द्रदेव कुमार शर्मा , संजीत कुमार यादव, सुमित कुमार सिंह , जयनाथ महतो , लक्ष्मण गुप्ता, किसान मोर्चा अध्यक्ष भोला महतो ,हरी मांझी मनोज यादव सहित कई लोग शामिल थे।

संविधान दिवस सप्ताह

झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय में कार्यक्रम आयोजित

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

गोड्डा। झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय बसंतराय सभागार में बुधवार को संविधान दिवस सप्ताह समारोह के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से विधिक जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता विद्यालय की वार्डन अनिता कुमारी ने किया जबकि संचालन पीएलवी नवीन कुमार द्वारा किया गया। वार्डेन अनिता कुमारी ने कहा कि भारत का संविधान ही हमें समानता का अधिकार सुनिश्चित कराता है। संविधान में महिलाओं के विकास को लेकर विशेष व्यवस्था है। संविधान की इसी व्यवस्था के तहत आज सुदूरवर्ती क्षेत्र की अभिवंचित वर्ग की छात्राएं शिक्षा प्राप्त कर अपना जीवन संवार रही हैं। शिक्षा का अधिकार कानून बन चुका है। इसके तहत सरकार की ओर से 14 वर्ष की छात्राओं को मुक्त शिक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। आज हम आजाद भारत के नागरिक हैं इसलिए हमें अपने अधिकार व कर्तव्यों को पूरी तरह समझने की जरुरत है। समाजसेवी सह सेवा निवृत्त शिक्षक दिलीप कुमार झा ने कहा कि समाज के निवनिर्माण में लड़कियां अहम भूमिका अदा कर सकती हैं। इससे बाल विवाह जैसी तमाम कुप्रथा का समूल नाश संभव है।आधुनिक युग डिजीटल पीढ़ी का है। इससे हमें फायदा भी है तो गलत उपयोग करने से भारी नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। इसलिए छात्राओं को जरुरत भर ही इंटरनेट व मोबाइल का प्रयोग करने की सलाह दी। कहा कि छात्राओं को सरकार की ओर से सभी प्रकार की सुविधाएं दी जा रही हैं। ऐसे में कोई ऐसा व्यवहार कदापि न करें जिससे आपका और समाज की बदनामी हो। बेहतर शिक्षा प्राप्त कर समाज व देश का नाम रोशन करने की सलाह दी। इसके पूर्व मंगलवार को विद्यालय की छात्राओं ने चित्रांकन व क्वीज प्रतियोगिता में भाग लिया। इसके अलावा विभिन्न प्रखंडों व ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों के बीच जागरुकता अभियान चलाकर संविधान दिवस पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

एसपी द्वारा किया गया मुफ्फसिल थाना का वार्षिक निरीक्षण

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

गोड्डा। आज दिनांक 30 नवम्बर 2022 को पुलिस अधीक्षक, गोड्डा के द्वारा मुफ्फसिल थाना का वार्षिक निरीक्षण किया गया, जिसमें संबंधित थाना प्रभारी तथा पुलिस पदाधिकारी को निम्नांकित दिशा निर्देश दिया गया

1. लंबित कांडों का समीक्षा कर संबंधित पुलिस पदाधिकारी को त्वरित निष्पादन हेतु निर्देश दिया गया।
2. लंबित वारंट एवं कुर्की का निष्पादन अविलंब करेंगे। साथ ही फिरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु निर्देश दिया गया।
3. सभी निरीक्षण से संबंधित पंजियो का अवलोकन कर उसमें पाए गए कमियों का निराकरण/ प्रविष्टि हेतु निर्देश दिया गया।
4. आम नागरिकों के द्वारा प्राप्त शिकायत पत्रों का अविलंब निष्पादित करेंगे।
5. असामाजिक तत्वों पर विशेष निगरानी रखते हुए विधि सम्मत कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया।

अवैध बालू लदे ट्रैक्टर को हनवारा पुलिस ने किया जब्त

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

हनवारा। हनवारा थाना क्षेत्र के नरोत्तमपुर घाट से अबैध बालू लदा बिना कोई नम्बर के एक ट्रैक्टर (स्वराज) को हनवारा पुलिस ने जब्त किया हैं। हनवारा पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि चोरी छिपे नरोत्तमपुर बालू घाट से ट्रैक्टर के द्वारा अवैध रूप से बालू का उठाव किया जा रहा है। जिसके बाद हनवारा थाना प्रभारी के नेतृत्व में छापेमारी किया।जैसे ही पुलिस को देखा तो चालक गाड़ी छोड़कर फरार हो गए।जिसके बाद पुलिस द्वारा ट्रैक्टर को जब्त कर थाना ले आई।हालाँकि बालू माफियाओं में बालू लदे ट्रैक्टर को जब्त करने के बाद हड़कंप मचा हुआ है।

वही हनवारा थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंहा ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि नदी से चोरी छिपे ट्रैक्टर द्वारा अबैध बालू खनन किया जा रहा है।जिस दौरान गठित टीम के द्वारा कारवाई करते हुए एक ट्रैक्टर को जब्त कर लिया गया। जब्त गाड़ी की जाँच प्रतिवेदन के लिए खनन विभाग को भेज दिया गया है।

उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा अबैध खनन कर रहे बालू माफियाओं के विरुद्ध लगातार छापेमारी की जा रही है। अबैध बालू खनन में संलिप्त लोगों को किसी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।इस दौरान एसआई मुकेश कुमार उपाध्याय एवं पुलिस बल असफाक आलम आदि मौजूद थे।

महागामा में एक दिवसीय आईडीए प्रोग्राम को लेकर सेविकाओं को मिला प्रशिक्षण

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

- **महागामा में प्रशिक्षण में उपस्थित सेविकाओं की तस्वीर**

महागामा। महागामा के बसुआ पंचायत भवन के प्रांगण में स्वास्थ्य विभाग के द्वारा एक दिवसीय आई. डी.ए प्रोग्राम को लेकर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया ।जिसका विधिवत उद्घाटन चिकित्सा प्रभारी महागामा संजय कुमार मिश्रा ने किया। वही प्रशिक्षण शिविर में महागामा प्रखंड क्षेत्र के सेविकाओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश फलेरिया से अपना बचाव कैसे हो । आईडीए के द्वारा 1 दिसंबर से लेकर 15 दिसंबर 2022 तक यानी के 15 दिवसीय कार्यक्रम आयोजित होना है जिसके लेकर फैलेरिया रोधी की दवा एक खुराक आईडीए जिले के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों ,वार्ड, कार्यालय, स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र , विद्यालय , महाविद्यालय में तकनीकी संस्थानों में मुफ्त खिलाई जाएगी। इस दौरान सेविका के द्वारा किस प्रकार से ×फलेरिया की दवा खिलाई जाएगी। उसके लेकर विशेष टिप्स दिए गए। फलेरिया से मुक्ति के लिए 2 वर्ष से कम उम्र के बच्चों गर्भवती महिलाओं एवं गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को छोड़कर सभी उम्र एवं ऊंचाई के अनुसार डी. ई.सी अल्बेंडाजोल, आईबरमेक्टिन की निर्धारित की खुराक खिलाई जाएगी। यह कार्यक्रम स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग झारखंड सरकार के द्वारा आयोजित की गई है। आपका सहयोग प्रयास हमारा फलेरिया मुक्त हो झारखंड हमारा। मौके पर स्वास्थ्य विभाग महागामा के साइन प्रवेज, एसआई बृजनयन कुँवर, पीसीआई नासरीन फातमा, केयर इंडिया मदन महतो, हजरत अली सहित अन्य उपस्थित थे।

जिला प्रशासन ट्रांसपोर्ट बकायेदारों के साथ तीन दिसंबर को करेंगे बैठक

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । पचूवाड़ा सेंट्रल कोल माइंस के एमडीओ पर बकायेदारों ने लगाए गंभीर आरोप। कहा दस-बीस वैसे बकायेदार जिनका रुपया बकाया बहुत कम है या जो बकायेदार नही है वैसे लोगों को गुप चुप तरीके से बैठक बुलाकर प्रशासन को गुमराह करने का काम किया है। इस संबंध में डीसी और एसपी से पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की है। उसके अलावे डीसी से एसडीओ की उपस्थिति में बैठक बुलाने की मांग की है। एसपी से मिलने के बाद बकायेदार उपायुक्त से मिलकर कंपनी के द्वारा बगैर सूचना दिए बैठक बुलाने और अपने मनमाने तरीके से भुगतान करने की बात कह कर माइंस को चालू करने का काम किया है, जो सरासर अन्याय है। बकायेदारों ने उपायुक्त से मांग की है कि आप स्वयं अपनी अध्यक्षता में बैठक बुलाकर हमारी समस्या का निदान करें। इस बात पर उपायुक्त ने आश्वस्त किया की 3 दिसंबर को जिला प्रशासन डीबीएल कंपनी के साथ बकायेदारों के साथ बैठक बुलाकर समस्या का निदान करेगी।

इस संबंध में बकायदार राजीव पांडे और राहुल सिंह ने बताया

» बकायेदारों ने डीसी एसपी से मिलकर डीबीएल कंपनी पर लगाया मनमानी का आरोप

कि उपायुक्त ने कहा कि कंपनी के द्वारा उन्हें बताया गया कि बकायेदारों के साथ सेटलमेंट हो गया है और कोयला ढुलाई हेतु लोगों ने सहमति दे दी है, जो हम लोगों के साथ धोखा और ठगने का काम डीबीएल के अधिकारी ने किया है।

इंटरनेशनल कॉन्फरेंस में एडुकेशन एक्सेलेन्स अवार्ड से सम्मानित किये गये डॉ वर्मा

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। एडुकेशनल डवलपमेंट काउन्सिल,पटना और महाबोधी कालेज,नालन्दा (बिहार)के संयुक्त तत्वावधान में इमरजिंग स्किल्स एंड टेकनोलोजिज फोर टिचिंग एंड लरनिंग विषयक आयोजित इंटरनेशनल कनफेरेन्स 26-27नवम्बर 2022 में सिदो कान्हू मुर्मू वि वि ,दुमका (झारखंड) के सेवा निवृत प्राध्यापक इतिहासकार डा.दिनेश नारायण वर्मा को एडुकेशन एक्सेलेन्स अवार्ड से सम्मानित किया गया। एडुकेशनल डवलपमेंट काउन्सिल और इंटरनेशनल कनफेरेन्स के चेयरमैन प्रोफेसर डा.कमल प्रसाद बौद्धा (पाटलीपुत्र विवि.,पटना के पूर्व डीन) ने झारखंड देखो को बताया कि कथित इंटरनेशनल कनफेरेन्स के मौके पर 53 विद्वान शिक्षकों को विभिन्न अवार्ड से सम्मानित किया गया जिसकी अनुशंसा इस हेतु इडीसी की ओर से गठित अवार्ड सलेक्शन कमिटि ने की थी। चेयरमैन प्रोफेसर डा.कमल प्रसाद बौद्धा ने बताया कि शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य और योगदान देने वाले शिक्षकों को एडुकेशन एक्सेलेन्स अवार्ड से सम्मानित करने का निर्णय लिया गया था।इस निर्णय के आलोक में अवार्ड सलेक्शन कमिटि द्वारा विभिन्न विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के बीस शिक्षकों का सर्वसम्मति से चयन किया गया। इन चयनित शिक्षकों में शामिल डा. वर्मा को 27 नवम्बर 2022 को प्रो वाइस चांसलर प्रोफेसर डा. गणेश महतों ((पाटलीपुत्र विवि.,पटना) ने शाल ओढ़ाकर और मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। प्रो वाइस चांसलर प्रोफेसर डा.महतों ने इस आशय का प्रशस्ति पत्र भी डा.वर्मा को प्रदान किया और उन्हें अपनी शुभकामनाएं दीं। प्राप्त जानकारी के अनुसार इसके पूर्व डा. वर्मा शोधक, बेस्ट एडिटर अवार्ड और मीडिया अवार्ड से सम्मानित किये जा चुके हैं। ज्ञातव्य है कि चार दशक से अधिक की महाविद्यालय और विवि. में सेवा प्रदान करने के बाद सेवानिवृत (2019) हुए डा. वर्मा शोध और लेखन के क्षेत्र में सक्रिय हैं और जनजातीय इतिहास लेखन में मौलिक और महत्वपूर्ण अवाध योगदान के लिए लिए प्रख्यात हैं। ओएसडी (वीसी) और प्रभारी प्राचार्य के पद पर कार्य चुके डा. वर्मा पच्चीस पुस्तकों के लेखक और संपादक हैं एवं बाइस पुस्तकों की समीक्षा कर चुके हैं और तीन पुस्तकों की समीक्षा हेतु प्रयासरत हैं। नई दिल्ली,कलकत्ता,बिदिशा,पटना ,रांची, उदयपुर आदि स्थानों से प्रकाशित होने वाले शोध जरनलों के अलवा उनकी शोध रचनाए इंडिय हिस्ट्री कांग्रेस,बिहार इतिहस परिषद आदि के प्रोसिंडिग्स में भी पर प्रकाशित हुंइ हैं।बिगत कई वर्षों से स्प्रिन्जर,सिंगापुर से जनजातीय इतिहास,सभ्यता और संस्कृति पर प्रकाशित प्रख्यात रचनाओं में जनजातीय इतिहास पर उनके शोध आलेख प्रकाशित हो रहे हैं। बत्तीस से अधिक वर्षों का शोध और शोध निदेशन का अनुभव से सम्पन्न डा. वर्मा कई शैक्षणिक संस्थाओं और कई शोध जरनलों के संपादक मंडल के सदस्य हैं। कई विदेशी विद्वानों के साथ जनजातीय गांवों के जमीनी सर्वेक्षण में शामिल रहे डा.वर्मा एकेडमिक फोरम के सचिव और स्टडी एंड रिसर्च सेंटर से संस्थापक निदेशक हैं। सूचनानुसार कई नेशनल और इंटरनेशनल संगोष्ठियों के निदेशक,सह निदेशक,मुख्य वक्ता,सेशन चेयरपर्सन,डेलिगेट रह चुके डा.वर्मा फिलहाल ट्राइब्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन इन इंडिया,संताल हूल 1855-1856, स्वतंत्रता समर में झारखंड की जनजातियों का योगदान विषयक शोध पुस्तकों के संपादन और लेखन में व्यस्त हैं।चेयरमैन प्रोफेसर डा.कमल प्रसाद बौद्धा के अनुसार इन्हीं शैक्षणिक कार्यों और उपलब्धियों के आलोक में डा.वर्मा एडुकेशन एक्सेलेन्स अवार्ड से सम्मानित किये गये।

9 से 11 दिसम्बर तक आयोजित होगा राज्यस्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता

19 वर्ष से कम आयु के बालक बालिका दिखायेंगे अपने खेल का कौशल

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। संथाल परगना क्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक सुदर्शन प्रसाद मंडल की अध्यक्षता में उनके आवासीय कार्यालय कक्ष में आगामी 9 से 11 दिसंबर तक 19 वर्ष से कम उम्र के बालक एवं बालिकाओं के लिए आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता की तैयारियों के निमित्त एक आवश्यक बैठक आहूत की गई।बैठक में आयोजन की तैयारियों को लेकर विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।विभिन्न कार्यों के लिए अलग-अलग सदस्यों को जिम्मेदारी सौंपी गई।खिलाड़ियों के आवासन हेतु होटल की व्यवस्था करने हेतु मोहम्मद अकबर को जिम्मेदारी दी गई है,जबकि बैनर,सर्टिफिकेट प्रचार प्रसार एवं खिलाड़ियों के भोजन की व्यवस्था अमित चरण ऐंथनी संभालेंगे।प्रतियोगिता के शुभारंभ एवं समापन में मंच की समस्त जिम्मेदारी जिला बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष उमा शंकर चौबे को सौंपी गई है।इस अवसर पर संथाल परगना प्रमंडल क्षेत्र के उपमहानिरीक्षक सुदर्शन प्रसाद मंडल ने कहा कि प्रतियोगिता को भव्य एवं आकर्षक बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाए।उन्होंने प्रतियोगिता को सफल बनाने में अपनी तरफ से हर संभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया. जिला खेलकूद संघ के सचिव सह जिला बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष उमाशंकर चौबे ने बताया कि प्रतियोगिता में 100 से अधिक खिलाड़ियों के भाग लेने की संभावना है।बैठक में जिला बैडमिंटन संघ के उपाध्यक्ष डीएसपी विजय कुमार जिला बैडमिंटन संघ के सचिव दीपक कुमार झा, कोषाध्यक्ष राधेश्याम भालोतिया, सुनील हांसदा,मधुसूदन मुर्मू,राजीव सिंह आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

33 वीं सिनियर टेनिस बॉल क्रिकेट चैम्पियनशिप के लिए सात खिलाड़ियों का चयन

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। इंडोर स्टेडियम प्रांगण में दुमका जिला टेनिस बॉल क्रिकेट संघ के द्वारा झारखंड राज्य टेनिस बॉल क्रिकेट टीम में चयनित खिलाड़ियों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।उक्त अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर जिला खेल पदाधिकारी तूफान पोद्दार उपस्थित होकर खिलाड़ियों को शुभाशीष देकर उत्साहवर्धन करते हुए अच्छे प्रदर्शन की कामना की।
दुमका जिला टेनिस बॉल क्रिकेट संघ के सचिव संदीप कुमार जय बमबम ने जानकारी देते हुए कहा कि आगामी 08 से 11 दिसंबर तक जम्मू कश्मीर में आयोजित 33 वीं सिनियर टेनिस बॉल क्रिकेट चैम्पियनशिप 2022 में झारखंड राज्य की टीम में दुमका से बतौर कप्तान विशाल राउत के अलावा रोहित प्रत्तैय,शुभांशु वर्मा,गौरव कुमार,रॉकी राज,समीर कुमार पंडित,उज्जवल कुमार समेत कुल सात खिलाड़ीयों का चयन किया गया है, सभी खिलाड़ी 5 दिसम्बर को धनबाद से जम्मू कश्मीर के लिए रवाना होंगे।

सेंट्रल जीएसटी की टीम ने एक मालवाहक ट्रक को जब्त किया

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। नेशनल हाइवे 133 पर सरैयाहाट थाना क्षेत्र के कोठिया टोल प्लाजा के समीप सेंट्रल जीएसटी की टीम ने एक मालवाहक ट्रक को जब्त कर सरैयाहाट थाना की अभिरक्षा में रखा है। जानकारी के अनुसार मंगलवार की देर रात उक्त वाहन की जीएसटी की टीम ने रोककर जाँच की तो वाहन चालक ने किसी भी तरह के कागजात दिखाने असमर्थता जताई, जिसके बाद वाहन को जब्त किया गया। पदाधिकारी ने वाहन चालक को सम्बंधित कार्यालय में कागजात दिखाने को कहा है, जिसके बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी।

भाजपा नेता के प्रयास से लगा ट्रांसफॉर्मर

डुमरी/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। भाजपा नेता सुरेन्द्र कुमार एवं दीपक श्रीवास्तव के पहल पल छछन्दो पंचायत के आदिवासी बाहुल्य गांव सिकदारटांड मे छः माह से जली ट्रांसफार्मर को विद्युत विभाग द्वारा बदल दिया गया है जिससे गांव के ग्रामीणों में हर्ष व्याप्त है।बुधवार को भाजपा नेता द्वय ने बताया कि सिकदारटांड़ में लगा 25 केवीए ट्रांसफार्मर करीब छः माह पूर्व जल गया था। जिस कारण गांव में छः माह से बिजली नहीं जल रहा था। ग्रामीणों के द्वारा विभाग को आवेदन दिया गया लेकिन कोई पहल नहीं हुआ। जिसके बाद हमें जानकारी दी गई।जिसपर पहल करते हुए जिला अधीक्षण अभियंता से दुरभाष पर बात कर 63 केबीए का ट्रांसफार्मर लगाने की अपील किया साथ ही नहीं लगाये जाने पर आंदोलन करने की चेतावनी दी। तत्पश्चात विभाग ने गंभीरता से पहल करते हुए 63 केबीए का ट्रांसफार्मर लगा दिया गया।भाजपा नेता ने कहा कि गरीब,शोषितों,वंचितों के साथ अन्याय भाजपा बर्दाश्त नहीं करेगी। मुलभुत समस्याओं की हर समस्या के समाधान के लिए हमसब हमेशा आगे रहें हैं और रहेंगे।इस दौरान मोहन टुडू दयानंद हेम्ब्रम,अशोक हेम्ब्रम,बबलु हेम्ब्रम,सोमरा मुर्मू,झरी हांसदा,संजय राय,संतोष हांसदा, दिपक हांसदा, हिरामन राय,कैलास तुरी, लखन मुर्मू आदि दर्जनों लोग उपस्थित थे।

जगदीश चंद्र बोस का 164 वीं जन्म जयंती मनाया

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। ज्ञान विज्ञान समिति के जिला समिति के द्वारा बुधवार को रानीश्वर के धानभाषा के पंचायत भवन के पंचायत समन्वयक प्रखंड समन्वयक और नौजवानों के साथ महान वैज्ञानिक सर जगदीश चंद्र बोस का जन्म दिवस मनाया गया ।जन्मदिवस में मुख्य रूप से विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रोफेसर डॉ डी के सेन अध्यक्ष वैज्ञानिक जागरूकता उप समिति झारखंड ने कहा की अजीब बात है कि दो महान विभूति जिनका जन्म बंगाल में हुआ लेकिन अपना कर्म भूमि झारखंड को बनाया। उसमें से एक पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर एवं महान वैज्ञानिक सर जगदीश चंद्र बसु थे।जगदीश चंद्र बसु का जन्म बांग्लादेश के मुंशीगंज जिले में हुआ था उनकी पढ़ाई लिखाई बचपन में बांग्लादेश में हुई उसके बाद कोलकाता विश्वविद्यालय से भौतिक शास्त्र में पढ़ाई करने के बाद लंदन के ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में पढ़ाई हुई।एक ऐसे वैज्ञानिक थे जो भौतिक शास्त्र से लेकर वनस्पति शास्त्र में नए-नए खोज की उन्हीं का देन टेलीग्राम था।रेडियो सिंगल और माइक्रो वेव का अविष्कार किया। उन्होंने ही पहले साबित किया की पेड़ पौधों में भी जीवन होता है। उन्हें दुनिया कभी नहीं भूल सकता। इस कार्यक्रम में अपने बातचीत रखते हुए भारत ज्ञान विज्ञान समिति के राष्ट्र महासचिव डॉक्टर काशीनाथ चटर्जी ने कहा की पूरे दुनिया को बदलने और विकास में वैज्ञानिकों का बहुत बड़ा योगदान है।लेकिन समाज ने इसे कभी भी समझने का कोशिश नहीं किया । बल्ब का आविष्कार से लेकर स्टीम इंजन का आविष्कार हवाई जहाज का आविष्कार छोटे-छोटे आविष्कार से लेकर बड़े आविष्कार मानव सभ्यता को बदल दिया। लेकिन मनुष्यों ने वैज्ञानिकों के बारे में बहुत अच्छे ढंग से नहीं सोचा। आज जब हम सर जगदीश चंद्र बसु का जन्म दिवस मना रहे हैं तो हमें पूरे दुमका जिले में आने वाले दिन में महान वैज्ञानिकों के जिंदगी को लेकर नौजवानों ने जन वाचन आंदोलन चलाना होगा। आज समाज 21वीं शताब्दी में अंधविश्वास के तरफ बढ़ रहा है।अंधविश्वास को खत्म वैज्ञानिक जागरूकता ही कर सकता है।बहुत दुख की बात है कि आदिवासी समाज के कम बच्चे विज्ञान को पढ़ते उसका मुख्य कारण है की मातृभाषा में पढ़ाई का नहीं होना इस क्षेत्र के अधिकतर बच्चे संथाली और बंगाली है ।और पढ़ाई हिंदी में होती है स्कूल में ऐसे शिक्षकों की व्यवस्था करना चाहिए जो भी समझे और हिंदी में शिक्षा दे।प्रखंड कॉर्डिनेटर पूर्ण चंद्र पाल ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि हम प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में सात सामुदायिक शिक्षण केंद्र को संचालित कर रहे हैं यहां भी हम वैज्ञानिकों के बारे में बच्चों के साथ बातचीत करेंगे और वैज्ञानिक चिंतन का शुरुआत करेंगे उधर भारत सेबाश्रम संघ के स्वामी प्रणवानंद विद्यामंदिर में सर जगदीश चंद्र बोस जयंती मनाया गया ।अध्यापक हरेंद्र कुमार माझी के अगुआई में हुई जयंती समारोह में जयदेव दे सुकमोह हेम्ब्रम ,गोबिंद यादब सगुन हांसदा ,देबू सोरेन ,परमिता दत्त एवं छात्रों ने भाग लिया हैं ।

लाभुकों से वसूला गया बिजली बिल

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जामा प्रखंड की सिकटिया और केराबनी में बुधवार को बिजली विभाग ने शिविर लगाकर सिकटीया पचायत के मेसलिटी मोड से उपभोक्ताओं से 216731 रूपये और केराबनी से 125000 रुपए की राजस्व की वसूली की।बिजली विभाग के कणीय अभियंता सत्यनारायण भोक्ता ने बताया कि जामा क्षेत्र में बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं के पास बिजली बिल बकाया है जिस कारण प्रत्येक माह के अंतिम दिनों में इस क्षेत्र में कैंप लगाया जाता है। जिन उपभोक्ताओं ने मीटर नहीं लगाया है और बिजली बिल 5000 से अधिक है और वह बिल जमा नहीं करते हैं तो उनका कनेक्शन काट दिया जाएगा।अगर उपभोक्ताओं को एक बार में अधिक बिल जमा करने में समस्या हो रही है तो वह किस्त के आधार पर बिल जमा कर सकते हैं ।मीटर नहीं लगाने वाले उपभोक्ता अगर विभाग द्वारा जांच के क्रम में पकड़े जाते हैं तो उन पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मेसलिटी के शिविर में विद्युत विभाग के कर्मी परमेश्वर सिंह, कुंदन यादव,किशोर मुर्मू ,लाइन मैन विकाश कुमार यादव,सुबाश पंडित,टुनटुन यादव ऊर्जा मित्र शेखर कुमार के साथ-साथ विद्युत विभाग के कर्मचारी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल टूर्नामेंट में चुरचू व बहेरा ने जमाया खिताब पर कब्जा

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

चरही। मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल टूर्नामेंट का समापन बुधवार को चिचिकला के मैदान में हुआ। मुख्यातिथि मांडू विधायक जेपी पटेल ने फुटबाल को किक मारकर फाइनल मैच का शुभारंभ किया। फाइनल मैच बालक वर्ग में चुरचू एवं जरबा पंचायत के बीच खेला गया। जिसमें चुरचू पंचायत ने 1-0 से जीत हासिल कर खिताब पर कब्जा जमाया। वही बालिका वर्ग में बहेरा पंचायत एवं जरबा पंचायत के बीच खेला गया। जहां कड़ा मुकाबला में बहेरा की टीम ने 1-0 से जीत हासिल की। उपस्थित खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए बीडीओ इंदर कुमार ने कहा कि आप लोग जिस तरीके से प्रखंड स्तर में खेल का प्रदर्शन किए हैं, प्रयास करें कि जिला स्तर में भी इसी तरह का प्रदर्शन कर जिला में भी चैंपियन बने। चुरचू प्रखंड निवासी फुटबॉल खेल में बराबर ही अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार का यह सोच है कि गांव के खिलाड़ी अपने प्रतिभा का प्रदर्शन कर अपना एवम अपने गांव व प्रखंड का नाम रोशन करें। मंच को संबोधित करते हुए मुखिया संघ के अध्यक्ष सह बहेरा पंचायत के मुखिया देवकी महतो ने कहा कि खेल से आप शारीरिक मजबूती के साथ-साथ अपना भविष्य भी बना सकते हैं।कई ऐसे उदाहरण हैं जो फुटबॉल खेल कर आज अच्छे पदों में नौकरी कर रहे हैं। वही प्रमुख निरंजन प्रसाद नायक , चनारो पंचायत के मुखिया ब्रजबिहारी महतो, संजय कुमार सिंह उपप्रमुख,सुनिता देवी मुखिया जरबा, पुनम बेसरा मुखिया चुरचू, पंसस चनारो रेखाकांत पटेलने भी संबोधित करते हुए खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया।

विदाई समारोह आयोजित कर सेवानिवृत्त पंचायत सचिव को दी गयी विदागरी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

देवरी। प्रखंड सभागार देवरी में बुधवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी इंद्रलाल ओहदार और अंचलाधिकारी राजमोहन तुरी के नेतृत्व में एक बिदाई समारोह का आयोजन कर सेवानिवृत पंचायत सचिव राजकुमार दास को विदाई दी गई।वर्तमान में राजकुमार प्रखंड के घोंसे और परसा टांड़ दो पंचायत में पंचायत सचिव के रूप में कार्यरत थे। जिनका कार्यकाल बुधवार को समाप्त हुआ और वे सेवानिवृत हो गए।उनका अपना निवास स्थान जमुआ प्रखंड के बलगो पंचायत अंतर्गत पिंडरा बाद हैं।जो पिछले 9 वर्षों से देवरी में कार्यरत थे। इस मौके पर बीडीओ श्री ओहदार ने बताया कि इनका कार्यकाल बहुत ही सराहनीय रहा हमेशा वे समय की पाबंदी में रहते थे और एक सच्चे सरकारी कर्मी का रोल पूरे ईमानदारी और लगन के साथ निभाया। मौके पर जीप सदस्य विमल कुमार सिंह,प्रमुख प्रतिनिधि अजय कुमार राय, उप प्रमुख प्रतिनिधि आशीष शर्मा, धोकल दास,पंकज राम,पूर्व मुखिया रामेश्वर सिंह,सत्यनारायण राय, साजन तिवारी, बीपीओ सुरेंद्र कुमार,महफूज आलम, राइस अख्तर, कृष्मुरारी पप्पू,राधेश्याम राणा, छेदी महतों, नागेश्वर सिंह, सदानंद राय, विनय राय,विजय राय, रोशन कुमार,दिलीप तिवारी,दामोदर राय,लालजीत धोबी समेत कई प्रखंड कर्मी और जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

मॉक टेस्ट परीक्षा प्लस टू जिला स्कूल में कदाचारमुक्त संचालित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। उपायुक्त दुमका के निर्देशानुसार एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी दुमका के मार्गदर्शन में माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा 2023 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए वर्ग 10 एवं वर्ग 12 के परीक्षार्थियों के लिए जिला प्रशासन दुमका के देख रेख में संचालित मॉडल प्रश्नपत्र पर आधारित मॉक टेस्ट परीक्षा प्लस टू जिला स्कूल दुमका में कदाचारमुक्त चल रहा है। परीक्षा के दूसरे दिन बुधवार को प्रथम पाली में माध्यमिक संकाय के विज्ञान, इंटरमीडिएट कला संकाय के भूगोल, विज्ञान संकाय के भौतिकी , वाणिज्य संकाय के बीएमटी एवं द्वितीय पाली में माध्यमिक संकाय के सामाजिक विज्ञान, इंटरमीडिएट विज्ञान संकाय के रसायन विज्ञान तथा वाणिज्य संकाय के एकाउंट्स विषय की परीक्षा संपादित हुई। प्रभारी प्राचार्य डॉ सत्येन्द्र ने सभी परीक्षा कक्ष का औचक निरीक्षण किया परीक्षा शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त पाया गया। प्रभारी प्राचार्य डॉ सत्येन्द्र ने बताया कि परीक्षार्थी मॉक टेस्ट देते हुए काफी खुश दिखाई दिए। परीक्षार्थियों ने बताया कि मॉक टेस्ट देने से बोर्ड परीक्षा 2023 के लिए अभ्यास होगा और परीक्षाफल उत्कृष्ट होगा। परीक्षा नियंत्रक रूपेश कुमार झा बताया कि प्रथम पाली में माध्यमिक संकाय के विज्ञान विषय मे कुल आवंटित 227 परीक्षार्थियों में 205 उपस्थित एवं 22 अनुपस्थित थे।इंटरमीडिएट कला संकाय के प्रथम पाली में भूगोल विषय मे कुल आवंटित 178 परीक्षार्थियों में 149 उपस्थित एवं 29 अनुपस्थित थे। विज्ञान संकाय के भौतिकी विषय मे कुल आवंटित 192 परीक्षार्थियों में 181 उपस्थित एवं 11 अनुपस्थित थे। वाणिज्य संकाय में बीएमटी विषय मे कुल आवंटित 22 परीक्षार्थियों में सभी 22 उपस्थित थे।द्वितीय पाली में माध्यमिक संकाय में सामाजिक विज्ञान विषय के कुल आवंटित 227 परीक्षार्थियों में 205 उपस्थित एवं 22 अनुपस्थित थे। इंटरमीडिएट विज्ञान संकाय में रसायन विज्ञान विषय के कुल आवंटित 192 परीक्षार्थियों में 181 उपस्थित एवं 11 अनुपस्थित थे एवं वाणिज्य संकाय में एकाउंट्स विषय मे कुल आवंटित 68 परीक्षार्थियों में 67 उपस्थित एवं 01 अनुपस्थित था।परीक्षा के सफल संचालन में पूर्व प्रभारी प्राचार्य दिलीप कुमार झा, इंटर संकाय प्रभारी मुद्दस्सर सुल्तान,परीक्षा नियंत्रक रूपेश कुमार झा,सहायक परीक्षा नियंत्रक प्रकाश कुमार घोष, शिक्षक महेन्द्रराज हंस, स्नेहलता मराण्डी, अमित कुमार पाण्डेय, संजीव कुमार सिंह,राजीव कुमार गुप्ता, संजय कुमार सिन्हा,प्रदीप कुमार, विजय कुमार दूबे, रंजीत लायक, गौरांग चटर्जी,अर्चना कुमारी, विद्यासुन्दर नंदी,दिलीप कुमार,सुशीला किस्कू,रामप्रसाद यादव, शिवराम सिमोन टूडू, अंजू एलीना किस्कू,तरन्नुम परवीन, इति कुमारी, पार्थ प्रतिम कुंडू, हरेकृष्ण झा,सुचरिता मित्रा,सुबोध कुमार मंडल एवं आराधना कुमारी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

बालमुकुंद टीएमटी के दर्जनों ठिकानों पर आयकर विभाग की दबिश

गिरिडीह/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। बालमुकुंद टीएमटी और स्पंज फैक्ट्री गिरिडीह के दर्जन भर ठिकानों पर आयकर विभाग कार्रवाई कर रही है. गिरिडीह, पटना और कोलकाता के ठिकानों पर बुधवार की सुबह से आयकर टीम ने दबिश दी है. आयकर विभाग की इस कारवाई में पचास से अधिक अधिकारी व कर्मचारियों की टीम शामिल है. मिल रही जानकारी के अनुयार आयकर विभाग की टीम फैक्ट्री से संबंधित कागजातों को खंगाल रही है. फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि कार्रवाई क्या कुछ मिला है. बताया जा रहा है कि टैक्स चोरी व शैल कंपनी बनाकर निवेश की जानकारी मिलने के बाद यह कार्रवाई हो रही है।

रजिया नदी पर बने पुल का विधायक डॉक्टर इरफान अंसारी करेंगे शिलान्यास

मधुपुर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जामताड़ा विधायक डॉ इरफान अंसारी जी कल दोपहर 12 बजे 94 किलोमीटर एडीबी सड़क का भूमि पूजन एवं शिलान्यास करमदाहा मोड़ पर करेंगे। इस सड़क को लेक- र विधायक काफी लंबे समय से प्रयासरत थे। डबल लेन सड़क बन जाने से आवागमन काफी सुगम हो जाएगी। अपने व्यस्त कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए 2:00 बजे मुचियाडीह पहुंचकर गुंदलीपहाड़ी और मुचियाडीह के बीच रजिया नदी पर उच्चस्तरीय पुल का करेंगे शिलान्यास। इस पुल के बन जाने से धनबाद की दूरी काफी कम हो जाएगी। ग्रामीणों की मांग को देखते हुए इस अति महत्वपूर्ण पुल का कल विधायक जी आधारशिला रखेंगे। अतः आप सभी कार्यकर्ताओं एवं मीडिया बंधुओं से अनुरोध है कि आप कल दोपहर आप ससमय कार्यक्रम स्थल पहुंचकर इस ऐतिहासिक पल मे भाग ले।

पुलिस ने लंबित कांड के आप्राथमिक अभियुक्त को गिरफ्तार कर भेजा जेल

मधुपुर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। पुलिस ने कोयला चोरी मामले में लगभग 2 वर्षों से फरार चल रहे मोहनपुर थाना क्षेत्र के निवासी अशोक कुमार चौधरी,को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि अशोक कुमार चौधरी के खिलाफ मधुपुर में कांड संख्या 224/ 20 एवं धारा 414 / 34 का मामला दर्ज किया गया था। वहीं आरोपी को लेकर पुलिस लगातार छापेमारी कर रही थी। जिसे पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर गिरफ्तार करें लिया है। वहीं आप्राथमिक अभियुक्त अशोक कुमार चौधरी का सामान्य स्वास्थ जांच कराकर हिरासत में जेल भेज दिया गया!

शिक्षक परितोष पांडे को एक सादे समारोह में दी गई भावभीनी विदाई

मधुपुर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। अनुमंडल के करों में राजकीयकृत मध्य विद्यालय कन्या करों के सहायक शिक्षक परितोष पांडे का विद्यालय प- रसर में एक सादे समारोह आयोजित कर भावभींनी विदाई दी गई । इस अवसर पर प्रधानाध्यापक नकूल दास ने परितोष पांडे का गुणगान करते कहा कि वे सदैव विद्यालय व छात्र-छात्राओं के प्रति हित में सजग रहे है । 16 साल तक विद्यालय का सेवा प्रदान किया जो अनुकरणीय है । परितोष पांडे ने कहा विदायी व सेवानिवृत तो एक प्रक्रिया है । जब भी मेरी आवशयकता हो मैं सबदिन विद्यालय के काम हाजरी लगाऊँगा । मौके पर विद्यालय प्रबन्ध समिति अध्यक्ष सुजय राय , जोसेफ सर , अंजली राय , शशिप्रकाश सिंह ,मैडम बनर्जी , रवि साह के अलावे दर्जनों छात्र-छात्राये उपस्थित थे!

आदिवासी गांव के विद्यार्थी कुश्ती एवं कराटे में अजमा रहे हाथ

डुमरथर ने दो गोल्ड ,3 सिल्वर, 4 कांस्य पदक जीतकर प्रखंड का नाम किया रोशन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। खेलो झारखंड प्रतियोगिता 2022- 23 में जरमुंडी के सुदूर आदिवासी गांव में स्थित व उत्क्रमित मध्य विद्यालय डुमरथर के विद्यार्थियों ने जिला स्तर पर परचम लहराया । कराटे ,कुश्ती जैसी प्रतियोगिता में आदिवासी गांव के विद्यार्थियों ने जिला स्तर पर गोल्ड जीतकर एक नई उम्मीद की किरण जागृत किया है। कराटे,कुश्ती जैसे प्रतियोगिता में पंजाब ,हरियाणा, यूपी जैसे राज्य के ही विद्यार्थी हमेशा आगे बढ़े हैं ।वही इस मिथक को तोड़ने के लिए प्रयासरत झारखंड प्रदेश के सुदूर ग्रामीण क्षेत्र के डुमरथर विद्यालय के विद्यार्थी लगातार जिला एवं राज्य स्तर पर कुश्ती प्रतियोगिता में शामिल हो रहे हैं, वही कराटे में भी अपना हाथ आजमा रहे हैं ।खेलो झारखंड प्रतियोगिता में वर्ग छः से अष्टम तक के 45 किलो वर्ग एवं 50 किलो वर्ग के सभी पदकों पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने कब्जा जमाया ।वही कराटे में एक रजत एवं 1 कांस्य पदक प्राप्त किया। बालक एवं बालिका वर्ग के 50 एवं 45 वर्ग श्रेणी में डुमरथर स्कूल के देवान हांसदा ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया तो वही बालिका वर्ग में सुमंती मुर्मू ने गोल्ड पर कब्जा जमाया ।वहीं रजत पदक दशरथ मुर्मू को कांस्य पदक पर जगदीश मरीज ने कब्जा जमाया ।बालिका वर्ग में पार्वती कुमारी ने रजत पदक तो मुन्नी कुमारी ने कांस्य पदक प्राप्त किया। कराटे में सोनिया कुमारी ने रजत पदक प्राप्त किया तो देवान हांसदा ने कांस्य पदक प्राप्त किया साथ ही चक्का फेंक प्रतियोगिता में सोनिया कुमारी ने कांस्य पदक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक डॉ सपन कुमार ने कहा कि सुदूर ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों में क्षमता की कोई कमी नहीं रहती है जरूरत रहती है ऐसे विद्यार्थियों को सही प्रशिक्षण एवं मौका देने का कुश्ती एवं कराटे के लिए लगातार विद्यार्थियों को जिला स्तर में होने वाले प्रतियोगिता में शामिल किया जा रहा है साथ ही राज्य स्तर पर भी कुश्ती प्रतियोगिता में इस विद्यालय के विद्यार्थी शामिल होकर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं ।बुधवार को विद्यालय परिवार द्वारा विजेताओं को पुष्पगुच्छ देक- र सम्मानित किया गया ।स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग झारखंड सरकार द्वारा खेलो झारखंड प्रतियोगिता का आयोजन विद्यालय स्तर ,प्रखंड स्तर, जिला स्तर राज्य स्तर पर किया जा रहा है। वर्ग छः से अष्टम तक के विद्यार्थियों के लिए जिला स्तर तक किया प्रतियोगिता का आयोजन 28 एवम्-29 नवंबर को किया गया। विद्यालय स्तर पर वर्ग प्रथम से पंचम तक के विद्यार्थियों के लिए प्रसूता निर्धारित था वही वर्ग 6 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए प्रखंड स्तर पर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले चयनित विजेताओं की प्रतियोगिता जिला स्तर पर हुई। इस मौके पर विद्यालय परिवार सदस्य बिटिया हरदा प्रमिला देवी प्रधानाध्यापक डॉक्टर सपन कुमार शिक्षक अनुज कुमार मंडल सुखलाल मुर्मू बाल संसद के प्रधानमंत्री,मंत्री गण आदि मौजूद थे।

महात्मा गांधी के जान बचाने वाले बत्तख मियां अंसारी को मेरा सलाम

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

मधुपुर। कर्माटांड़ प्रखंड क्षेत्र के नवाडीह गांव निवासी वरिष्ठ पत्रकार सह मोमिन कॉन्फ्रेंस के पूर्व जामताड़ा जिला अध्यक्ष मौलाना अब्दुल रकीब अंसारी ने बत्तख मियां अंसारी की जीवनी पर प्र- काश डालते हुए कहा है कि बत्तख मियां अंसारी वह योद्धा है जिन्होंने अपनी ज़िंदगी दाव पर लगाकर गांधी जी की जान बचाई थी।वे गुमनाम व्यक्ति थे। बिहार के चंपारण जिले के बतख मियां न होते तो न गांधी जी का आंदोलन शुरु होती और न भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास वैसा होता जैसा हम जानते हैं। बात 1917 की है जब साउथ अफ्रीका से लौटने के बाद स्वतंत्रता सेनानी राजकुमार शुक्ल के आमंत्रण पर गांधी डॉ राजेन्द्र प्रसाद तथा अन्य लोगों के साथ अंग्रेजों के हाथों नीलहे किसानों की दुर्दशा का ज़ायज़ा लेने चंपारण के जिला मुख्यालय मोतिहारी आए थे। जनता का अपार समर्थन उन्हें मिल रहा था। जिसकी वज़ह से जिले में विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न होने की आशंका थी, वार्ता के उद्देश्य से नील के खेतों के तत्कालीन अंग्रेज मैनेजर इरविन ने उन्हें रात्रि भोज पर आमंत्रित किया। तब बतख मियां इरविन के रसोईया हुआ करते थे। इरविन ने गांधी की हत्या के लिए बतख मियां को जहर मिला दूध का गिलास देने का आदेश दिया। बतख मियां ने दूध का ग्लास देते हुए गांधी जी और राजेन्द्र प्रसाद के कानों में यह बात डाल दी, गांधी की जान तो बच गई लेकिन बतख मियां और उनके परिवार को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ी। उन्हें बेरहमी से पीटा गया सलाखों के पीछे डाला गया और उनके छोटे से घर को ध्वस्त कर उसे कब्रिस्तान बना दिया गया। देश की आज़ादी के बाद 1950 में मोतिहारी यात्रा के क्रम में देश के पहले राष्ट्रपति बने डॉ राजेन्द्र प्रसाद ने बतख मियां की खोज खबर ली थी। चंपारण में उनकी स्मृति अब मोतिहारी रेल स्टेशन पर बतख मियां द्वार के रूप में ही सुरक्षित हैं। उनके दो पोते-असलम अंसारी और ज़ाहिद अंसारी अभी दैनिक मज़दूरी करके जीवन-यापन कर रहे हैं इतिहास ने स्वतंत्रता संग्राम के गुमनाम योद्धा बतख मियां को भुला दिया आईए हम उनकी स्मृतियों को सलाम करें।

केन्द्रीय विद्यालय गिरिडीह की अधिगृहित जमीन पर कब्जा प्रशासन ने हटाया

गिरिडीह/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। गिरिडीह प्रखंड के सुग्गासार में निर्माणधीन केन्द्रीय विद्यालय की अधिगृहित की गई जमीन पर सुग्गासार के ही कुछ स्थानीय दबंग किस्म के लोगों द्वारा कब्जा किया जा रहा था। कब्जा की लिखित सुचना उपायुक्त को दी। बुधवार को उपायुक्त के आदेश पर टीम गठित की गई। टीम द्वारा जमीन पर से कब्जा हटाया गया। स्थल पर गिरिडीह एसडीएम विशालदिप खलको एसडीपीओ अनिल कुमार सिंह सीओ रविभुषण प्रसाद, सीआई जितेंद्र प्रसाद राजस्व कर्मचारी राजेश चौधरी, अमीन अजय यादव, पचंबा थाना प्रभारी मुकेश दयाल सिंह सदलबल मौजूद रहे।

घोंघा पंचायत अंतर्गत मनरेगा कूप में धांधली को लेकर पकड़ी तुल

वाह रे मनरेगा : वेबसाइट से खुलासा, लाख रुपए से अधिक की हो गई निकासी, तो फिर निर्माण क्यों नहीं

- धंस गया कुआं नहीं लगा, बोर्ड सिर्फ कागजों पर दिखाकर निकाल लिए लाखों रुपए, बिजलिया हो गए चांदी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

मोहनपुर। प्रखंड में मनरेगा योजना भ्रष्टाचार को लेकर घोंघा पंचायत पुराना बगरा गांव के लाभुक प्रमिला देवी सिंचाई कूप बगैर निर्माण किए लाखों रुपए की राशि निकालने को लेकर दिन प्रतिदिन चर्चा का विषय बनता ही जा रहा है और अब दर्जनों किसान कह रहे हैं कि अगर सिंचाई कूप निर्माण सही समय पर हो गया होता तो किसानों के खेतों तक पानी भी पहुंच जाता तो हम सब किसान भाई खेती बाड़ी कर लाखों रुपए कमाते। और अपने परिवार का जीवन यापन करते।आखिर मनरेगा में इतनी धांधली क्यों? सरकार की मंशा थी कि सिंचाई कूप से गरीब मजदूर किसान को गांव में ही काम देने के उद्देश्य मनरेगा योजना संचालित कर रही है ताकि लोगों को गांव में ही काम मिल सके । और गरीब किसान आजीविका को समृद्धि बनाने को लेकर जोर दिया था लेकिन सरकार और गरीब किसान की मंशा धरी की धरी रह गई। और न ही अबतक 2019-20 योजना कुआं का निर्माण होना था लेकिन नहीं हो सका और इसको पूर्ण बताकर राशि निकाली गई। हालांकि यह लापरवाही मनरेगा कर्मी का नतीजा बताया जा रहा है। अब एक और मामला उजागर होने के बाद बहरहाल यह सब जांच का विषय है।

नवभारत साक्षरता कार्यक्रम को लेक- र जिला साक्षरता कार्यकारिणी समिति की बैठक संपन्न

गिरिडीह। आई.ए.एस. प्रशिक्षु उत्कर्ष कुमार की अध्यक्षता में नवभारत साक्षरता कार्यक्रम को लेकर जिला साक्षरता कार्यकारिणी समिति गिरिडीह की बैठक हुई। बैठक में जिला शिक्षा अधीक्षक-सह-सचिव, जिला साक्षरता समिति विनय कुमार, गिरिडीह एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी, गिरिडीह नीलम आईलिन टोप्पो के अतिरिक्त जिला साक्षरता कार्यकारिणी समिति के सदस्य चुन्नूकांत, पुष्पा सिन्हा, बी-०के० पाठक, शिवाजी सिंह, रामदेव विश्वबंधु, पशुपतिनाथ शर्मा, अरूण कुमार, सुमन कुमार सिन्हा एवं खुर्शीद अनवर हादी उपस्थित थे।

अंचल कार्यालय सभागार भवन में विदाई समारोह का आयोजन

- लिपिक पितांबर यादव को शॉल एवं बुके देकर प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ विवेक किशोर ने दी विदाई

मोहनपुर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। मोहनपुर अंचल कार्यालय में कार्यरत पितांबर यादव को प्रखंड विकास पदाधिकारी ने विदाई समारोह का आयोजन किया गया जिसे शॉल बुके एवं माला पहनाकर विदाई दी गई। डॉ विवेक किशोर ने कहा अंचल में सहनशील एवं कार्यशील व्यक्ति थे जो अपने कामों में हर समय व्यस्त रहते थे एवं जनों की बात हर समय करने में तत्पर रहते थे। जिनकी आज 60 वर्ष पूरे हो जाने के बाद अंचल कार्यालय के सभागार भवन में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इसमें सभी रोजगार सेवक, पंचायत सेवक एवं कंप्यूटर ऑपरेटर की मौजूदगी में दी गई विदाई। कार्यक्रम में ईसा हांसदा बड़ा बाबू,विनय ठाकुर, पंचायत राज पदाधिकारी, रेणु प्रभा,राजेश झा, मनीष सिंह, रोहित कुमार , दीपेंद्र साह, मुकुंद दास, मुकुल पंडित, अशोक टुडू, फारूक हुसैन, नागेंद्र दास, दिलीप यादव, धनंजय मंडल, वीरेंद्र यादव, व्यासदेव राणा, नीरज देव, रूपेश कुमार, कुंदन कुमार, केदार कुमार, बाबूसर हेंब्रम, टुनटुन गुप्ता, कृष्णदेव पंडित, अर्जुन दास, रितलाल मुर्मू सहित सभी रोजगार सेवक एवं सभी कर्मी थे।

मॉब लिंचिंग का उद्भेदन में हो रहे देरी को लेकर किया गया थाने का घेराव

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

मधुपुर। मुक्ति संघर्ष के लिए गत 6 अक्टूबर 22 को बोकारो (झारखंड) के महुआटांड़ थाना अंतर्गत धवैया मॉब. लिंचिंगकांड का साजिश का उद्भेदन में हो रहे अप्रत्याशित देरी तथा स्थानीय मुखिया रितलाल महतो के विरुद्ध शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं करने से नाराज क्षेत्र वासियों ने ऑल इंडिया तंजीम ए इंसाफ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इफ्तेखार महमूद के नेतृत्व में महुआटांड़ थाना का घेराव किया और थाना के समक्ष धरना पर बैठ गये। पुलिस अधिकारियों द्वारा कुछ अभियुक्तों को गिरफ्तार अभी तक नहीं करने से भी लोग नाराज थे। उल्लेखनीय है कि गत 6 अक्टूबर को गांव के ही अरुण ठाकुर नामक व्यक्ति ने गांव के अंजुमन कमेटी के सदर 45 वर्षीय इमरान अंसारी को घर से बुलाकर ले गया और 25-30 लोगों ने पीट-पीटकर इमरान अंसारी की हत्या कर दिया था।
प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए तंजीम ए इंसाफ के नेता और झारखंड आंदोलनकारी इफ्तेखार महमूद ने कहा कि शेष बचे हुए अपराधियों के गिरफ्तारी से भी ज्यादा महत्वपूर्ण साजिश का अविलंब उद्भेदन होना आवशयक है। साजिश का उद्भेदन करने के लिए पुलिस को गंभीर होना होगा। श्री महमूद ने पुलिस पदाधिकारियों द्वारा गिरफ्तारी हेतु 8 दिन का जो समय लिया गया है - उस पर भरोसा कर धरना को तत्काल समाप्त करने की भी घोषणा किया। उन्होंने कहा कि हत्या की साजिश के उद्भेदन में अब और देरी होने पर पीड़ित परिवार, इमरान अंसारी का जिस स्थान पर हत्या कर दी गई है, उसी जगह पर आमरण अनशन पर बैठने को वाध्य हो जाएगी।
राजद के अरुण यादव, कांग्रेस के ऐनूल अंसारी, इंसाफ के अनवर रफी एवं खुर्शीद आलम, धवैया अंजुमन कमेटी के सचिव सिराज अंसारी, मृतक की पत्नी रहीमून निशा ने भी संबोधित किया। प्रदर्शन में मृतक के चाचा अफजाल अंसारी, शफीक आलम, आशिक अंसारी के अलावा इजमामूल, शुजात, मुबीन अंसारी, इजहार अंसारी, शकील अंसारी, कसीरून निशा, शाहिना खातून, समीमूलनिशा, असगर अंसारी, साबिर अंसारी, सगीर अंसारी,राजेश करमाली, राजेश मरांडी, मुकुंद साव,बीरालाल मांझी, डेगलाल महतो, धनांज्य सिंह, गेंदों केवट, चमन केवट इत्यादि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

आयुष्मान कार्ड निबंधन कैंप का एसडीओ ने किया निरीक्षण

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

मधुपुर। नगर परिषद कार्यालय में आयोजित आयुष्मान कार्ड निबंधन कैंप का निरीक्षण कार्यपालक पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी मधुपुर के द्वारा किया गया। एवं अधिक से अधिक लाभुकों का निबंधन का निर्देश दिया गया ।साथ ही जरूरत पड़ने पर वार्ड में भी कैंप का आयोजन करने का निर्देश दिया गया। कैंप में सभी तरह की व्यवस्था करने एवं लाभुकों को किसी भी प्रकार का कठिनाई ना हो इस बात का विशेष ध्यान रखने को भी कहा गया। कैंप का आयोजन दिनांक 30 नवंबर 2022 से 1 दिसंबर 2022 तक किया जाएगा। जिसमें वार्ड के वैसे लाभुक जिनका आयुष्मान कार्ड नहीं बना है वैसे योग्य लाभुक लाल, पीला ,हरा कोई भी एक राशन कार्ड एवं आधार कार्ड, मोबाइल नंबर के साथ आसमान कार्ड हेतु निबंधन करवा सकते हैं। कैंप आयोजन स्थल पर नगर निगम प्रबंधक विजय कुमार, सामुदायिक संगठन करता सोनू चौधरी एवं ऑपरेटर राजीव रजिस्टर, प्रभाकर कुमार एवं निबंधन कर्मी उपलब्ध थे!

हिन्दी दैनिक झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

संपादकीय

कांग्रेस में सब कुछ ठीक नहीं

एक ओर कांग्रेस राहुल गांधी को अपना चेहरा बनाकर कथित तौर पर भारत जोड़ने के लिए यात्रा निकाल रही है, वहीं दूसरी ओर पार्टी बिखरती दिख रही है। राजस्थान में दो बड़े नेता अब खुलकर एक-दूसरे के विरुद्ध मैदान में उतर आए हैं। वहीं, मध्यप्रदेश में जिस समय राहुल गांधी की यात्रा गुजर रही है, उसी समय सिख समुदाय के चेहरे और कांग्रेस के पूर्व मीडिया प्रभारी नरेन्द्र सलूजा ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया है। राजनीति के विशेषज्ञ ठीक ही कह रहे हैं कि राहुल गांधी को पहले कांग्रेस को जोड़ने के प्रयास करने चाहिए। राजस्थान में जो कुछ हो रहा है, उसके लिए सीधे तौर पर शीर्ष नेतृत्व की कमजोरी माना जाना चाहिए। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अध्यक्ष के चुनाव के दौरान नेतृत्व की कमजोरी को करीब से देख/समझ लिया, इसलिए वे पहली बार सचिन पायलट के खिलाफ कठोर भाषा में सार्वजनिक बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने सचिन पायलट को सीधे तौर पर गद्दार कर दिया है और कहा है कि वे कभी भी पायलट को मुख्यमंत्री नहीं बनने देंगे। आलाकमान के आदेश को ईश्वर का आदेश माननेवाले अशोक गहलोत जब इस भाषा में सचिन पर हमला कर रहे हैं, तब स्पष्टतौर पर समझ आ रहा है कि उन्होंने सोनिया और राहुल गांधी के निर्देशों को किनारे कर दिया है। वे अब ऐसी स्थितियां निर्मित कर रहे हैं कि राजस्थान में कांग्रेस यानी अशोक गहलोत। बहरहाल, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जिस समय सचिन पायलट पर आक्रामक हमला किया है, वह समय कांग्रेस के लिए परेशानी पैदा करनेवाला है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा मध्यप्रदेश के बाद राजस्थान में ही प्रवेश करनेवाली है। ऐसे में वहाँ दो गुटों का इस तरह एक-दूसरे के आमने-सामने आने से अच्छा संदेश नहीं जाएगा। भाजपा ही नहीं अपितु सामान्य लोग भी उपहास बनाएंगे कि भारत जोड़ने चले राहुल गांधी अपनी ही पार्टी को नहीं जोड़ पा रहे हैं। जो एक नेता को नहीं संभाल पा रहे, वे भारत क्या जोड़ेंगे? गहलोत के इस हमले के बाद भले ही पायलट ने हमेशा की तरह चुप्पी साध रखी है लेकिन अब तो उनके मन में भी तूफान उठ रहा होगा। क्योंकि लगातार इस तरह के हमले झेलने के कारण से उनकी छवि पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है। आलाकमान से हर बार आश्वासन मिलने के बाद भी यदि उनके पक्ष में परिस्थितियां बदलने की जगह और अधिक अपमानजनक हो रही हैं। पायलट गुट की ओर से आलाकमान को अब चेतावनी दी जाने लगी है। गुर्जर नेता विजय सिंह बैंसला ने तो यहाँ तक कह दिया कि यदि सचिन पायलट को जल्द मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया तो राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा का विरोध होगा। अब आलाकमान के सामने विकट संकट आन पड़ा है। यदि सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाया, तो गहलोत गुट सरकार बनने ही नहीं देगा। गहलोत साफ कह चुके हैं कि वे किसी भी कीमत पर पायलट को मुख्यमंत्री नहीं बनने देंगे। 'किसी भी कीमत पर नहीं' यह बात जोर से कहकर गहलोत ने एकदम स्पष्ट शब्दों में आलाकमान को अपनी मंशा बता दी है। यहाँ संकट यह भी है कि समूची कांग्रेस राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को 'सफल' बनाने में समर्पित है, तब यक्ष प्रश्न है कि राजस्थान के रेगिस्तान में आए तूफान को कौन संभालेगा? बिना प्रभावशाली नेताओं के दखल के यह तू-तू-मैं-मैं शांत होने से रही।

> राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अध्यक्ष के चुनाव के दौरान नेतृत्व की कमजोरी को करीब से देख/समझ लिया, इसलिए वे पहली बार सचिन पायलट के खिलाफ कठोर भाषा में सार्वजनिक बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने सचिन पायलट को सीधे तौर पर गद्दार कर दिया है और कहा है कि वे कभी भी पायलट को मुख्यमंत्री नहीं बनने देंगे। आलाकमान के आदेश को ईश्वर का आदेश माननेवाले अशोक गहलोत जब इस भाषा में सचिन पर हमला कर रहे हैं, तब स्पष्टतौर पर समझ आ रहा है कि उन्होंने सोनिया और राहुल गांधी के निर्देशों को किनारे कर दिया है। वे अब ऐसी स्थितियां निर्मित कर रहे हैं कि राजस्थान में कांग्रेस यानी अशोक गहलोत। बहरहाल, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जिस समय सचिन पायलट पर आक्रामक हमला किया है, वह समय कांग्रेस के लिए परेशानी पैदा करनेवाला है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा मध्यप्रदेश के बाद राजस्थान में ही प्रवेश करनेवाली है। ऐसे में वहाँ दो गुटों का इस तरह एक-दूसरे के आमने-सामने आने से अच्छा संदेश नहीं जाएगा।

अमृत कलश

संस्कार की आवश्यकता

संस्कार की आवश्यकता इसलिये है कि हमारे जीवन में एक ललक है। जिसको कहते हैं जीने की इच्छा, जानने की इच्छा, सुखी होने की इच्छा, स्वतंत्र होने की इच्छा, सर्जन करने की इच्छा, सौन्दर्य के अन्दर डूब जाने की इच्छा। इन सारी इच्छाओं को पाने के लिए हम पूरा करना चाहते हैं तो हम को संस्कार की प्रक्रियाओं को अपनाना पड़ेगा। हम संस्कृतिकरण की प्रक्रिया को न केवल मानव समुदाय के ऊपर लागू करते हैं, परन्तु हम से जुड़ी हुई जितनी भी वस्तुएँ हैं जितने भी प्राणी हैं, उनका भी संस्कार करते हैं। यह ध्यातव्य है कि यदि हम बाह्य संस्कार की प्रक्रिया को गलत ढंग से करते हैं तो हमारे अन्दर की संस्कार प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न होती है। इसलिये शास्त्र कहते हैं, जो कुछ भी हम बाहर का कार्य करते हैं वह इस प्रकार, ऐसा होना चाहिये कि जिससे हमारे अन्तःकरण में एक संस्कार आये एक सूक्ष्मता आये, अन्तःकरण के अन्दर समरसता आये। यह प्रक्रिया हमें शास्त्रकारों ने बताई उसको जीवन की कला कहा। यह प्रक्रिया अपनाते जाते हैं तो शनैः-शनैः मन में उस पूर्णता को प्राप्त करने की योग्यता आ जाती है- *विषया विनिवर्तन्ते निराहारस्य देहिनः। रसवर्जं रसोऽप्यस्य परं दृष्ट्वा निवर्तते।* (गीता 2/59) कोई व्यक्ति है। वह विषयों को छोड़ देता है तो विषय तो छूट जाते हैं। परन्तु अन्तःकरण में विषयों के प्रति एक रस पड़ा रहता है। जब तक परम आत्मा का साक्षात्कार नहीं होता तब तक वह उससे छूटता नहीं है। पर चार वर्ण, चार आश्रम और चार पुरुषार्थ के पीछे जो दर्शन है, उसमें जबरदस्ती करके किसी के अन्तःकरण को दबाने की कोशिश की या उसके सहज स्वभाव को खत्म करने का प्रयास किया तो उसके अन्दर शुद्धि नहीं आयेगी। स्वभाव जिस तरह प्रकट होता है उसको प्रकट होने देना क्योंकि आत्मा के अन्दर किसी प्रकार के संस्कार नहीं हैं। **-स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती**

बोध कथा

सच न बोलने का अंजाम

एक गाँव में युधिष्ठिर कुम्हार रहता था। उसे शराब पीने की बुरी लत थी। एक दिन नशे में लड़खड़ाकर वह एक टूटे बर्तन पर गिर पड़ा। बर्तन का तीखा कोना उसके माथे में जा घुसा और खून बहने लगा। कुछ समय बाद घाव तो भर गया लेकिन माथे पर एक बड़ा निशान पड़ गया। कुछ समय बाद इलाके में अकाल पड़ गया। कुम्हार का काम भी ठप पड़ गया। अतः वह रोजगार की तलाश में दूसरे देश की ओर चल दिया। वहाँ पहुंचकर उसने किसी प्रकार वहां के राजा के पास नौकरी पा ली। एक बार जब राजा ने उसके माथे पर पड़ा निशान देखा तो उसने सोचा कि यह बहुत बहादुर होगा। शायद शत्रु सेना के किसी सिपाही के साथ युद्ध करते समय इसके माथे पर घाव लगा होगा। अतः राजा ने उसे अपने चुने हुए सेनापतियों के साथ नियुक्त कर दिया। एक बार जब पड़ोसी देश के साथ युद्ध के आसार बनने लगे तो राजा ने अपने सेनापतियों का उत्साह बढ़ाने के लिये उन्हें सम्मानित किया। कुछ समय बाद उसने कुम्हार को अपनी सेना का सर्वोच्च सेनापति बनाने का निर्णय लिया। उसने कुम्हार से पूछा, 'वीर युवक! तुम्हारा नाम क्या है? तुम्हारे माथे पर यह निशान कैसे पड़ा? उस युद्ध का क्या नाम है, जिसमें तुमने भाग लिया था?' 'महाराज!' कुम्हार बोला, 'पेशे से मैं कुम्हार हूं। एक बार मैं शराब पीकर टूटे हुए कांच पर गिर पड़ा था। कांच मेरे माथे में घुस गया था और निशान उसी घाव का है, जो कांच घुसने से बना था।' यह सुनकर राजा आग बबूला हो उठा। उसने उस कुम्हार को सेना तथा देश से बाहर निकालने का आदेश दे दिया। राजा के पैर पकड़कर कुम्हार बहुत गिड़गिड़ाया। अनेक दलीलें दीं कि वह उसे अपनी सेना में बना रहने दे। सेना में रहकर युद्ध के समय उसे जौहर दिखाने का मौका दे, लेकिन राजा ने उसकी एक न सुनी और उसे देश से बाहर कर दिया। अब कुम्हार विचारा सोच रहा था कि समय पर सच न बोलने का अंजाम ऐसा भी हो सकता है?

संविधान के संस्थापकों ने राज्य के नीति निदेशक तत्त्व के माध्यम से इसको लागू करने की ज़िम्मेदारी बाद की सरकारों को हस्तांतरित कर दी थी

कब तक धर्म विशेष के कानून से शोषण होगा

ललित गर्ग

> बाल विवाह एवं यौन शोषण दोनों ही अपराध है। जाहिर है कि बच्चे चाहे जिस भी धर्म के हों, उनके खिलाफ होने वाले अपराधों को समान नजर से देखना और बरतना एक स्वाभाविक कानूनी प्रक्रिया है। नाबालिग बच्चों को उनके खिलाफ यौन अपराधों और शोषण से सुरक्षा देने के लिए पाक्सो कानून बनाया गया। लेकिन भारत में मुस्लिमों के लिए शरीयत कानून को भी मान्यता मिली हुई है जिसके कारण बच्चों पर हो रहे अपराधों पर दोयम दर्जा अपनाया जाता है, इसको लेकर कई बार सामुदायिक परंपराओं के लिहाज से भी इस प्रावधान की प्रासंगिकता को कसौटी पर रखने की कोशिश की जाती है।

आजादी के अमृत महोत्सव मना चुके भारत देश के सभी धर्मों के नागरिकों के लिये एक समान धर्मनिरपेक्ष कानून होना चाहिये। संविधान के संस्थापकों ने राज्य के नीति निदेशक तत्त्व के माध्यम से इसको लागू करने की ज़िम्मेदारी बाद की सरकारों को हस्तांतरित कर दी थी। लेकिन पूर्व सरकारों ने वोट बैंक के चलते समान नागरिक संहिता को लागू नहीं होने दिया, अब भारतीय जनता पार्टी एवं नरेन्द्र मोदी सरकार इस बड़ी विसंगति को दूर करने के लिये तत्पर हुई है, जिसके लागू होने से देश सशक्त होगा। विडम्बना है कि मुस्लिम समुदाय को उनके शरीयत कानून से अनेक ऐसे अधिकार मिले हुए हैं, जो मानवता के विपरीत है, मानव मूल्यों एवं भारत संविधान का हनन है। यह कानून एक मुस्लिम पुरुष को अपनी मौजूदा पत्नियों की सहमति के बिना चार विवाह करने की अनुमति देता है, वहीं बाल-विवाह एवं यौन शोषण को जायज मानता है। जबकि देश में बाल विवाह कानूनन अपराध है। केरल हाईकोर्ट ने एक उदाहरण प्रस्तुत करते हुए समान कानून संहिता को लागू किया है। लड़की की शादी 18 साल बाद और लड़के की शादी 21 साल के बाद ही की जा सकती है। यदि इस उम्र सीमा से नीचे के लड़के या लड़की की शादी की जाती है, तो शादी अवैध घोषित मानी जाती है। इतना ही नहीं बाल विवाह कराने वालों को जेल भी हो सकती है। इसी तरह यौन शोषण का मामला है। बाल विवाह एवं यौन शोषण दोनों ही अपराध है। जाहिर है कि बच्चे चाहे जिस भी धर्म के हों, उनके खिलाफ होने वाले अपराधों को समान नजर से देखना और बरतना एक स्वाभाविक कानूनी प्रक्रिया है। नाबालिग बच्चों को उनके खिलाफ यौन अपराधों और शोषण से सुरक्षा देने के लिए पाक्सो कानून बनाया गया। लेकिन भारत में मुस्लिमों के लिए शरीयत कानून को भी मान्यता मिली हुई है जिसके कारण बच्चों पर हो रहे अपराधों पर दोयम दर्जा अपनाया जाता है, इसको लेकर कई बार सामुदायिक परंपराओं के लिहाज से भी इस प्रावधान की प्रासंगिकता को कसौटी पर रखने की कोशिश की जाती है। केरल उच्च न्यायालय ने एक मामले की सुनवाई के बाद इसी द्वंद्व एवं दोहरे नजरिये पर स्पष्ट राय दी है, जिसमें किसी धर्म के तहत बनाए गए अलग नियम के मुकाबले पाक्सो कानून को न्याय का आधार बनाया गया है। यह एक अनूठी पहल है जिसमें पाक्सो कानून को धर्म नहीं, इंसान को एक ही नजर से देखने का उपक्रम है। यही इंसाफ का तकाजा है और उसकी बुनियाद है। केरल हाईकोर्ट ने स्पष्ट कहा कि मुस्लिम कानून के तहत नाबालिगों की शादी पॉक्सो एक्ट से बाहर नहीं हो सकती है। यदि दूल्हा या दुल्हन नाबालिग है और मुस्लिम कानून के तहत उनकी शादी भले ही वैध हो, लेकिन पॉक्सो एक्ट उनपर भी लागू होगा। निश्चित ही मुस्लिम धर्म की मान्यता का हवाला देते हुए अब तक हो रहे बाल विवाह एवं बच्चों के यौन शोषण पर नियंत्रण स्थापित करने की दृष्टि से एक समानता एवं अपराध मुक्ति का परिवेश निर्मित होगा। यानी आज आवश्यकता इस बात की है कि मुस्लिम समुदाय में बाल-विवाह एवं वैवाहिक संबंध को पुनः परिभाषित किया जाए और अधिकारों और कर्तव्यों का पारदर्शी तरीके से परिमार्जन, परिवर्तन एवं संशोधित किया जाए। मुस्लिम समाज में तलाक, बहु-विवाह, बाल विवाह की पूर्ण उन्मूक्ति अन्य समुदायों के पतियों को इस्लाम में परिवर्तित करके अपनी पत्नियों को छोड़ने, अनेक पत्नियां रखने, बाल-यौन-शोषण और उनकी जुड़ी कानूनी कार्यवाही से बचने में सक्षम बनाती है। मूल्यहीनता के जिस भंवर में मुस्लिम समाज धंसता जा रहा है उसे समय रहते उससे निकाला जाए, क्योंकि इससे प्रभुत्व, प्रभाव, धार्मिक आग्रहों और वर्चस्व की लड़ाई में कुंठित मानसिकता ही हावी होती है। भले ही अब बच्चों के खिलाफ होने वाले यौन अपराधों और शोषण के संदर्भ में पाक्सो कानून और किसी धर्म के विशेष नियमों के बीच की स्थिति को लेकर नई बहस खड़ी हो, कानून की समानता को लागू किया ही जाना चाहिए। केरल उच्च न्यायालय ने एक साहसिक कदम उठाते हुए न्याय की तुला में सबकी समानता की बात को उजागर किया है। कोर्ट ने बाल विवाह को मानवाधिकारों का भी उल्लंघन बताया। क्योंकि बाल विवाह के कारण बच्चा सही से विकसित नहीं हो पाता है। यह सभ्य समाज के लिए एक बुराई है। मुस्लिम कानून के जरिये बाल-अपराध को खुली छूट का फायदा यह समुदाय उठाता रहा है। लेकिन पॉक्सो एक्ट को परिभाषित करते हुए कोर्ट ने कहा कि ये कानून शादी की आड़ में बच्चों के साथ शारीरिक संबंध बनाने से रोकता है। जैसा कि अक्सर कहा जाता है, एक कानून लोगों की इच्छा की अभिव्यक्ति या प्रतिबिंब है। नया भारत निर्मित करने की बात हो रही है, ऐसे में एक धर्म-विशेष के अलग कानून होने की स्थितियों पर पुनर्विचार अपेक्षित है। क्यों मुस्लिम कानून के हिसाब से नाबालिग की शादी वैध मानी जाये? भले ही इस सवाल को केरल की हाईकोर्ट ने पूरी तरह से स्पष्ट करते हुए कहा पॉक्सो एक्ट एक विशेष कानून है, यह विशेष रूप से बच्चों को यौन अपराधों से सुरक्षा देने के लिए बनाया गया है। एक बच्चे के खिलाफ हर प्रकार के यौन शोषण को अपराध माना जाता है। नाबालिग विवाह को भी इससे बाहर नहीं रखा गया है। यह उजला सच है कि पाक्सो कानून के प्रभावी होने के बावजूद हिन्दू हो या मुसलमान एवं अन्य धर्मों को मानने वाले समुदायों में बाल विवाह के मामले अक्सर सामने आते रहते हैं। इसलिए सभी पक्षों को इस मसले पर सोच-समझ कर एक ठोस निष्कर्ष तक पहुँचने की जरूरत है, जिसमें नाबालिगों को अपराध से सुरक्षित किया जा सके। बाल-विवाह एवं उनका यौन शोषण पर लगाम और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना आज हर तरह से आवश्यक है। भारत समाज में बच्चों के खिलाफ हो रहे अत्याचार एवं हिंसा के लिये न जाने कितने लोग जिम्मेदार है। समय रहते जागना, जगे रहना और दूसरों को जगाने का सिलसिला बन जाना चाहिए। किसी भी धर्म के हों, यदि हम बच्चों बच्चों के साथ खड़े नहीं होंगे, तो दरअसल अपने हिस्से की संवेदनाओं, जिम्मेदारियों एवं कर्तव्यों को घटा देंगे, अपने मासूम बच्चों को कमजोर कर देंगे। घरों में कैद बच्चियां जो परिवार, समाज रचेंगी, वह भी कमजोर ही होगा। संयुक्त राष्ट्र महासचिव को केवल आंकड़े नहीं गिनाने चाहिए, बल्कि एक धर्म-विशेष के बच्चों के हो रहे शोषण एवं अत्याचार के लिये दुनिया में सार्थक मुहिम का सूत्रपात करना चाहिए। दुनिया की तमाम सरकारों से बच्चों के हाल पूछना चाहिए, उनके हो रहे बाल-विवाहों एवं यौन शोषण को रोकने के उपाय सुझाये जाने चाहिए। निर्विवाद रूप से बाल विवाह मानवाधिकारों का उल्लंघन है, धर्म-विशेष का होने से उसे आरक्षण नहीं मिल सकता। समाज में प्रचलित परंपराओं और रीतियों में अगर कभी कोई खास पहलू किसी पक्ष के लिए अन्याय का वाहक होता है, तो उसके निवारण

बैंकों की बदहाली व निजीकरण का खतरा

> अगस्त 2022 के रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया बुलेटिन में प्रकाशित एक शोधपत्र ने चेताया है कि हमें सोच-समझकर कदम रखना चाहिए। इस पर आज खुले दिमाग से विचार करने की जरूरत है। यह शोध क्या कहता है? इसका मुख्य केंद्र है कि हमें किन-किन मापदंडों पर निजी एवं सरकारी बैंकों की तुलना करनी चाहिए? एक मापदंड बैंक की आय और मुनाफा है। इसमें निजी बैंक बेहतर प्रदर्शन करते हैं। सरकारी बैंकों में कुछ की स्थिति मजबूत है और कुछ की कमज़ोर। शोधकर्ताओं का कहना है कि हमें अन्य मापदंड भी देखने चाहिए। फाइनेंसियल इन्क्लूजन यानी बैंक की सेवाओं की पहुंच, एक महत्त्वपूर्ण लक्ष्य है। वर्तमान दौर में बैंक की शाखाओं की गांव और कस्बों तक पहुंच, ग्रामीण क्षेत्र में अधिक एटीएम खोलना, गांव में बैंक मित्र यानी बिजनेस करेस्पॉडेंट द्वारा लोगों की सहायता करना, इन मापदंडों पर सरकारी बैंक बहुत आगे हैं। सरकारी बैंक की लगभग 50 प्रतिशत शाखाएं ग्रामीण क्षेत्रों में हैं।

आजकल यह धारणा बनती जा रही है कि सरकारी बैंकों का सुधार निजीकरण से ही हो सकता है। अगस्त 2022 के रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया बुलेटिन में प्रकाशित एक शोधपत्र ने चेताया है कि हमें सोच-समझकर कदम रखना चाहिए। इस पर आज खुले दिमाग से विचार करने की जरूरत है। यह शोध क्या कहता है? इसका मुख्य केंद्र है कि हमें किन-किन मापदंडों पर निजी एवं सरकारी बैंकों की तुलना करनी चाहिए? एक मापदंड बैंक की आय और मुनाफा है। इसमें निजी बैंक बेहतर प्रदर्शन करते हैं। सरकारी बैंकों में कुछ की स्थिति मजबूत है और कुछ की कमज़ोर। शोधकर्ताओं का कहना है कि हमें अन्य मापदंड भी देखने चाहिए। फाइनेंसियल इन्क्लूजन यानी बैंक की सेवाओं की पहुंच, एक महत्त्वपूर्ण लक्ष्य है। वर्तमान दौर में बैंक की शाखाओं की गांव और कस्बों तक पहुंच, ग्रामीण क्षेत्र में अधिक एटीएम खोलना, गांव में बैंक मित्र यानी बिजनेस करेस्पॉडेंट द्वारा लोगों की सहायता करना, इन मापदंडों पर सरकारी बैंक बहुत आगे हैं। सरकारी बैंक की लगभग 50 प्रतिशत शाखाएं ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। निजी बैंक की शाखाएं गांव में बहुत कम हैं, करीब 34 प्रतिशत। सरकारी बैंकों के 21 प्रतिशत एटीएम ग्रामीण क्षेत्रों में हैं, जबकि निजी बैंकों के केवल 8.5 प्रतिशत। सरकारी बैंक के 40 हज़ार से अधिक बैंक मित्र हैं और निजी बैंक के केवल 11 हज़ार। इसका असर दिखता है। प्रधानमंत्री जन-धन योजना में 45 करोड़ लोगों को लाभ पहुंचा। इसमें से सरकारी बैंकों का योगदान 44.7 करोड़ था और निजी बैंक का मात्र 1.3 करोड़। बैंकों का एक लक्ष्य है, खाता खोलना और ग्राहकों को लेन-देन की सुविधा देना। दूसरा लक्ष्य है लोगों को कम ब्याज पर कर्ज़, उपलब्ध करवाना। बैंक राष्ट्रीयकरण के बाद लक्ष्य रखा गया था कि लोगों की साहूकारों के ऊंचे ब्याज पर निर्भरता खत्म कर बैंक या सरकारी सोसाइटी द्वारा सस्ता ऋण उपलब्ध करवाया जाए। ग्रामीण क्षेत्र और खेती के लिए यह एक बड़ी चुनौती थी। एनएसएस (नेशनल सेंपल सर्वे) की वर्तमान रपट (2019) बताती है कि आज ग्रामीण क्षेत्र में बैंकों एवं औपचारिक स्रोतों से 66 प्रतिशत ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है, पचास वर्ष पहले यह केवल 22 प्रतिशत था। इसके बावजूद आज भी ग्रामीण लोगों द्वारा लिए जाने वाले कर्ज़ का एक चौथाई हिस्सा साहूकारों से आता है। हमें बैंक के स्रोतों को और आगे बढ़ाना है, पर निजीकरण के रास्ते हम पीछे जाने का मार्ग खोल रहे हैं। प्राइवेट बैंक सामाजिक लक्ष्य को मुनाफे के लिहाज से दरकिनार ही करेंगे। आज ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकों द्वारा कुल ऋण का 83 प्रतिशत सरकारी बैंकों से आता है। आरबीआई की इस रपट में कहा गया है कि यह मिथक है कि सरकारी बैंक के कर्मचारी कम काम करते हैं। इन मापदंडों को सामने रखकर देखें तो उनकी उपलब्धि निजी बैंक से कम नहीं है। इस शोध ने यह भी इंगित किया है कि मंदी के दौर में सरकारी बैंकों की भूमिका अधिक कारगर रहती है। आय के साथ सामाजिक मापदंड के लिहाज से भी कई सरकारी बैंक मजबूत हैं, फिर कुछ सरकारी बैंकों की स्थिति खराब क्यों है? इसकी वजह है सरकारी बैंकों का एनपीए (नॉन परफोर्मिंग एसेट्स) यानी डूबा हुआ कर्ज़। एनपीए की समस्या सरकारी एवं प्राइवेट, दोनों बैंकों में होती है, पर सरकारी बैंक में कहीं अधिक है। प्राइवेट बैंक में इसका नुकसान बैंक को झेलना पड़ता है और अंत में उसे आरबीआई या तो बंद करने का आदेश देता है या अधिग्रहण करके किसी दूसरे बैंक को सौंप देता है। सरकारी बैंकों में यह समस्या लम्बे समय तक बनी रहती है, पर अंत में सरकार को पैसे लगाकर बैंकों को उबारना पड़ता है। सरकारी बैंकों की यह परिस्थिति बार-बार देखी गई है। इसलिए निजीकरण के पक्षधर कहते हैं कि इन बैंकों को जीवित रखना पब्लिक के पैसों की बरबादी है, पर क्या सुधार का रास्ता निजीकरण ही हो सकता है? इसकी परतें खोलकर देखनी चाहिए। एक सीमा से ज्यादा एनपीए के दो मुख्य कारण हैं: एक, कर्ज़, देने और वसूलने में ढील, लापरवाही या राजनीतिक दबाव। दूसरा, धोखाधड़ी और सांठगांठ। यह सरकारी और निजी, दोनों तरह के बैंकों में पाया जाता है, पर सरकारी बैंकों में यह समस्या कहीं अधिक है। सरकारी बैंकों में सुधार हेतु 2014 में नायक समिति द्वारा अपनी रिपोर्ट आरबीआई को पेश की गई थी। इसमें कहा गया था कि सरकारी बैंक के बोर्ड बहुत कमजोर हैं। उनकी निगरानी और मार्गदर्शन-शक्ति प्रभावशाली नहीं है। सरकारी व्यवस्था में कई काबिल लोग हैं, परंतु बोर्ड की सिलेक्शन व्यवस्था कमजोर है, इसलिए प्रोफेशनल रूप से इन्हें नहीं चुना जाता। इससे उनकी कार्यशैली प्रभावित होती है और वे एनपीए पर जरूरी आंतरिक नियंत्रण और निगरानी नहीं रख पाते। योग्य लोगों की कमी नहीं है, पर व्यवस्था बनाने में कमी है। समिति ने कई सुझाव रखे थे। उन पर पर सघन विचार शुरू हुआ था और 2015 में आरबीआई ने निगरानी के ठोस कदम भी उठाए थे, परंतु इसके बाद उसे ठंडे बस्ते में डालकर हम निजीकरण की तरफ बढ़ गए। दूरगामी व्यवस्था में हमें सरकारी एवं प्राइवेट दोनों बैंक चाहिए, पर मजबूती के साथ। दोनों में एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए। प्राइवेट बैंकों की ताकत टेक्नोलॉजी अपनाने में है और सरकारी बैंकों की ताकत सामाजिक न्याय प्राप्त करने में। दोनों व्यवस्थाएं प्रोफेशनल ढंग से चल सकती हैं और एक-दूसरे से सीख सकती हैं। बैंकिंग व्यवस्था हमारी अर्थव्यवस्था की नींव है, पर इस क्षेत्र की कुछ बातें हैं जिसके लिए इस पर अंकुश एवं इसे नियंत्रण करने की जरूरत होती है। मसलन, हर बैंक में एनपीए होते हैं और उसका बैंक की बैलेंस शीट में उल्लेख किया जाता है, किंतु पूरा खुलासा नहीं किया जाता। इसका कारण है कि बैंकों पर गलत अफवाह फैलने और उसके डूबने का खतरा होता है। हाल के उदाहरण से समझ सकते हैं। यस बैंक के संकट के समय यह अफवाह फैलने लगी कि सरकार प्राइवेट बैंक को डूबने देगी और केवल सरकारी बैंक में ही हमारे पैसे सुरक्षित हैं। यदि आरबीआई ने उचित कदम नहीं लिए होते तो बिना किसी कारण कई अन्य प्राइवेट बैंक डूब जाते। बैंकिंग तंत्र एक सिस्टम की तरह चलता है और इस कारण एक बैंक पर खतरा पूरी व्यवस्था को डुबा सकता है, यानी स्वस्थ बैंक भी सुरक्षित नहीं रह सकते। इतिहास से सबक लेते हुए सभी देशों में सेंट्रल बैंक बने।

देश दुनिया से

श्रद्धा की निर्मम हत्या से मानवता शर्मसार

उसे क्या मालूम था कि जिस प्रेमी के लिए वह अपने मां-बाप को छोड़कर उसके साथ पिछले तीन साल से रह रही है, वही एक दिन उसकी निर्मम हत्या करके उसके परिजनों को उम्र भर आंसू बहाने के लिए छोड़ देगा। मुंबई के मलाड गांव की श्रद्धा (28) नामक मृतक लड़की के प्रेमी आफताब के लिए आफत उस समय बन गई जब वह मृतक लड़की के शव के 35 टुकड़े करके रोजाना छतरपुर जंगल में जाकर फैंकने लगा। सच कहें तो इस वारदात से इंसानियत तार-तार होकर रह गई। कातिल आफताब ने अपनी प्रेमिका श्रद्धा की जिस तरह निर्मम हत्या करके उसके शव की बेकद्री की, ऐसा कोई जानवर भी नहीं कर सकता है। राजधानी दिल्ली में घटित हुई इस दुखद घटना की वजह से पूरा देश सदमे में है। आरोपी युवक को तुरंत फांसी पर लटकाए जाने की मांग उठ रही है जिससे समाज की आपसी एकता को तोड़ने की कोशिश की है। श्रद्धा और आफताब की दोस्ती सोशल मीडिया से शुरू होकर लिव इन रिलेशनशिप में बदल गई। वे दोनों मुंबई में एक मल्टी नेशनल कंपनी काल सेंटर में काम करते थे। श्रद्धा आफताब को अपना जीवन साथी बनाने के सपने संजो चुकी थी, मगर आफताब के मतलबीपन को भांप नहीं पाई थी। वह उससे शादी किए जाने की मांग पर अड़ी रही। लड़की के परिजनों को उनका यह रिश्ता कतई पसंद नहीं था। नासमझ लड़की श्रद्धा ने अपने प्रेमी आफताब की वजह से अपने परिजनों से किनारा कर लिया था। पहले वे दोनों मुंबई में कार्यरत रहे और फिर दिल्ली में शिफ्ट हो चुके थे। आफताब अपनी प्रेमिका श्रद्धा से पीछा छुड़ाने के लिए हर दिन योजनाएं भी बना रहा था, मगर वह सफल नहीं हो पाया। उक्त प्रेमी जोड़ा हिमाचल प्रदेश की वादियों में भी घूमकर वापस गया। वासना का भूखा भेड़िया आफताब मानो अपनी प्रेमिका श्रद्धा से ऊब चुका था और उसने उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। आफताब ने श्रद्धा की निर्मम हत्या मई महीने के मध्य में की। मृतक लड़की के पिता ने बेटी की गुमशुदगी की पुलिस रिपोर्ट मुंबई में सितंबर महीने में दर्ज करवाई थी। बात अगर हत्या तक सीमित रहती तो बात कोई अलग थी। आफताब ने पुलिस से बचने के लिए श्रद्धा के शव के 35 टुकड़े किए थे। शव के उक्त टुकड़े उसने एक फ्रिज के अंदर रखे ताकि किसी को भनक न लग सके। मीडिया सुर्खियों के अनुसार कातिल आफताब रोजाना देर रात को दिल्ली के महरौली जंगल में श्रद्धा के शव के दो टुकड़ों को फैंक कर आता था। मानवता के दुश्मन आफताब ने सोचा था कि उसके द्वारा ऐसा किए जाने पर किसी को उसके इस जघन्य अपराध की भनक नहीं लगेगी। वह उसी कमरे में अपना जीवनयापन करता रहा जहां फ्रिज में श्रद्धा की लाश के टुकड़े रखे हुए थे। अपराधी कितना भी शातिर क्यों न हो, कानून के शिकंजे से नहीं बच सकता है। आफताब के साथ भी ठीक वैसे ही हुआ। पुलिस ने छह महीने बाद इस हत्याकांड के आरोपी को दबोच है। मृतक लड़की श्रद्धा आफताब के साथ लिव इन रिलेशनशिप में रहने के बावजूद अपने मां-बाप के संपर्क में नहीं थी। मगर अपने एक दोस्त को सोशल मीडिया के जरिए वह अपनी आपबीती सुना चुकी थी। श्रद्धा का दोस्त भी उसे आफताब के साथ रहने शादी किए जाने की सलाह देता था। श्रद्धा हत्याकांड की गुत्थी उस समय सार्वजनिक हुई जब उसके दोस्त को सोशल मीडिया पर काफी दिनों से कोई जवाब नहीं मिला। श्रद्धा द्वारा सोशल मीडिया में अक्सर अपनी फोटो पोस्ट किए जाने से उसके परिजनों के दिल को एक तसल्ली रहती थी। काफी महीनों से श्रद्धा का सोशल मीडिया से नदारद रहने पर उसके परिजनों को शक हुआ। वहीं इस बीच श्रद्धा के दोस्त ने उसके परिजनों को पूरी कहानी बताई तो मामला पुलिस को सौंपा गया। दिल्ली पुलिस ने जब आफताब से कड़ी पूछताछ की तो उसने अपना गुनाह कबूल किया। अपने परिजनों की खुशियां तार-तार करने वाली लड़की ने अपने प्रेमी को अपना जीवन साथी चुनकर भी आखिर धोखा खाया। कातिल आफताब किस तरह का हैवान हो सकता है, गौर करने वाली बात है। अगर वह श्रद्धा से शादी करने का इच्छुक नहीं था तो फिर लिव इन रिलेशनशिप में क्यों रहता रहा? हत्या के बाद शव की बेकद्री किए जाने से उसके संस्कारों का पता चलता है।

> श्रद्धा आफताब को अपना जीवन साथी बनाने के सपने संजो चुकी थी, मगर आफताब के मतलबीपन को भांप नहीं पाई थी। वह उससे शादी किए जाने की मांग पर अड़ी रही। लड़की के परिजनों को उनका यह रिश्ता कतई पसंद नहीं था। नासमझ लड़की श्रद्धा ने अपने प्रेमी आफताब की वजह से अपने परिजनों से किनारा कर लिया था। पहले वे दोनों मुंबई में कार्यरत रहे और फिर दिल्ली में शिफ्ट हो चुके थे। आफताब अपनी प्रेमिका श्रद्धा से पीछा छुड़ाने के लिए हर दिन योजनाएं भी बना रहा था, मगर वह सफल नहीं हो पाया। उक्त प्रेमी जोड़ा हिमाचल प्रदेश की वादियों में भी घूमकर वापस गया।

नागरिक बोध

आप और कांग्रेस में गुजरात में होगा घमासान

गुजरात में चुनाव सिर पर है। राजनीतिक दलों का प्रचार प्रसार परवान चढ़ा है। शांत और शांतिप्रिय राज्य में चुनाव की गर्माहट आ गई है। यहां आप और कांग्रेस का सीधा संघर्ष होगा। क्योंकि आप सेंधमारी कर कांग्रेस के वोट काटने पर उतारू है। आप का 2017 में गुजरात में खाता भी नही खुला था। दोनों दल अपने जीत के दावे कर रहे है। भाजपा अपने मकसद में सफल हो रही है। जनता को अपने पाले में लाने के लिए नित नई रणनीति बनाई गई है। आप कांग्रेस का घोषणा पत्र लोकलुभावन है तो भाजपा ने लोकलुभावन घोषणापत्र दे कर एक बार दोनों दलों से अच्छा घोषणा पत्र दिया है। भाजपा ने गौरव यात्रा का सिलसिला चलाया तो अब कांग्रेस ने भारत जोड़ो यात्रा का चुनावी ड्रामा किया है। कांग्रेस के दिग्गज नेताओं ने इस बार भारत भ्रमण से लोगो से जुड़ने का काम किया है और भारत जोड़ो यात्रा में प्रियंका वाड्रा ने भी शिरकत की है। केजरीवाल की बढ़ती शामिलगिरी से कांग्रेस सकते में है। बार बार चुनाव प्रचार में आकर लोगो को संबोधित करते केजरीवाल ने मतदाताओं को लपेटे में लेने की योजना चलाई गई है। वो टॉप टॉप फीस हो रही है दोनों दलों द्वारा गुजरात में घर घर सन्देश जा रहा है, वह आपसी कलह और बिखराव का है। गुजरात मे कांग्रेस का शासनकाल जनता ने देखा है और आम आदमी पार्टी नई नवेली पार्टी है इस पर भरोसा नही किया जा सकता है। इस तरह की जनश्रुति है। आमआदमी पार्टी को गुजरात मे गुजराती जानते तक नही है शहरो में प्रचार तो हो रहा है, लेकिन गांवो में आप को जानते तक नही है। गुजरात मे कांग्रेस आप शायद मिल जाए तो भी अतिश्योक्ति नही होगी। गुजरात चुनाव में कांग्रेस, आप और भाजपा में भी अंदर घमासान हुआ है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल राजनीति के चाणक्य है और उनको 25 वर्ष का अनुभव है। उनका कोई सानी नही है। भूपेंद्र पटेल के लिए मोदी ने कहा था कि भूपेंद्र पटेल अच्छे नेता है। वे अनुभवी और कार्यकुशलता में परिपूर्ण है। गुजरात मे सभी दलों के नेताओ ने पार्टी को अलविदा किया है। ये नेता टिकिट से कम स्वीकारना नही चाहते थे। कांग्रेस के दिग्गज नेताओं ने पार्टी को छोड़कर भाजपा अथवा आप का दामन थामा है। टिकट के लिए भाजपा में भगदड़ नही मची हो परंतु उसके लिए यह आसान नही था कि कांग्रेस, भाजपा और आप के त्रिकोणात्मक संघर्ष के बाद कौन सफल होगा। यह परिणाम के बाद ही मालूम पड़ेगा। लेकिन इस बार संघर्ष बड़ा है। भाजपा विकास के नाम पर वोट मांग रही है। उसमें मोदी के नाम का भी उपयोग किया है। कांग्रेस के पास ठोस मुद्दा नही है तो आप ही खाली हाथ जनता के बीच मे है। जबकि केजरीवाल पानी, बिजली की रेवड़ी पर जुगाड़ करने निकले है। जिसके लिए जनता तैयार नही है। दिल्ली में भाजपा की सरकार है और गुजरात मे भी भाजपा है। इससे जनता को फायदा जरुर होगा। गुटबाजी खत्म कर चुनावो पर असर नही पड़ने की जवाबदेही उठाई गई है। भाजपा ने घोषणा पत्र और प्रचार प्रसार में पूरी ताकत झोंक दी है। भाजपा फिर से सत्ता में आने के लिए बेचैन है और इस बार आप पार पर की लड़ाई लड़ने वाली है। भाजपा, कांग्रेस और आप ने जनसभाएं, स्वागत सभाएं की है। जिसमे भाजपा की जनसभाएं बहुत हुई है। भाजपा की तरफ से आधा दर्जन केंद्रीय मंत्री, यूपी के मुख्यमंत्री योगी और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सरमा नेताओं ने सभा की है।

आर एन आई (टी सी) नं- JHAHIN01027, स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक डॉ सिकन्दर कुमार द्वारा माँ भवानी आर्ट भागलपुर रोड नीयर सिनेमा हॉल दुधानी दुमका से मुद्रित एवं झारखण्ड देखो कार्यालय मजिस्ट्रेट कॉलोनी बंदरजोरी, दुमका से प्रकाशित, प्रधान संपादक डॉ सिकन्दर कुमार, मोबाइल नं-9955599136 (इस अंक में प्रकाशित समाचारों का चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी)

यूं बढ़ाएं होंठों का आकर्षण

चेहरे की सुंदरता व खूबसूरती में होंठों का अपना स्थान है। व्यक्ति के व्यक्तित्व की पहचान भी होंठों से होती है। स्त्रियों की सुंदरता में होंठों की विशेष भूमिका होती है। ज्यादातर देखा जाता है कि प्रत्येक व्यक्ति के होंठ प्राकृतिक रूप से सुंदर व आकर्षक नहीं होते।

विटामिन 'ए' व 'बी' की कमी से होंठ फट जाते हैं। मौसम में बदलाव यानी ज्यादा ठंड पड़ने व बर्फ गिरने से भी होंठों पर बुरा प्रभाव पड़ता है। अत्यधिक लिपस्टिक, अधिक तली हुई व गर्म चीजें खाने से होंठ फटने हैं। अत: थोड़ी-सी देखभाल, अच्छे सौंदर्य प्रसाधनों व भोजन में सुधार करके होंठों को मनमोहक व गुलाब-सा हसीन बनाया जा सकता है।

- मौसमानुसार हरी सब्जियों, फल, मक्खन, दूध आदि का सेवन करना चाहिए। इससे शरीर में विटामिन्स की कमी दूर होती है।
- ग्लिसरीन, मलाई, घी, तेल आदि होंठों पर लगाते रहना ताहिए ताकि उनमें रूखापन न रहे।
- अक्सर सर्दियों में सर्द हवाएं होंठों को खुश्क बना देती हैं। उन्हें काटें या चबाएं नहीं। गर्म रोटी पर लगे देसी घी को होंठों पर लगाएं, आराम मिलेगा।
- ग्लिसरीन, नींबू व गुलाब जल तीनों का मिश्रण होंठों के रूखेपन को दूर करने में लाभदायक है।
- होंठों को सर्द हवाओं से बचाने के लिए आप लिपग्लॉस का इस्तेमाल भी कर सकती हैं।
- लिपस्टिक का प्रयोग रोजाना न करें। इससे होंठों में कालापन आ जाता है।
- यदि आप लिपस्टिक का प्रयोग करती हैं तो कच्चे दूध से लिपस्टिक अवश्य पोंछ दें।
- रात को सोने से पूर्व नाभि में तेल डालें। इसके नियमित इस्तेमाल से होंठ कोमल व गुलाबी बने रहेंगे व कभी फटेंगे नहीं। यह एक अनमोलउपाय है।
- शहद में नींबू का रस मिला र होंठों पर लगाएं।
- दही का इस्तेमाल भी होंठों को नरम बनाता है।
- यदि आपके होंठ काले हैं तो मलाई में नींबू की कुछ बूंदें मिला कर होंठों पर लगाएं।
- नींबू के छिलके में मलाई लगा कर धीरे-धीरे होंठों पर मलें। यह एक अच्छा व सरल उपचार है। इससे होंठों में चमक व गुलाबीपन आ जाएगा।
- गुलाब की पत्तियों को ग्लिसरीन में मिला कर होंठों पर लगाएं। आपके होंठ भी गुलाब की पंखुड़ियों के समान गुलाबी व नरम हो जाएंगे।
- जैतून का तेल भी फटे होंठों के लिए लाभप्रद है।
- यदि आपको होंठों को दांतों से चबाने या काटने की आदत है तो इस बुरी आदत को छोड़ने की कोशिश करें क्योंकि इससे होंठों की त्वचा सूख जाती है व उनमें से खून निकलने लगता है जिससे होंठ बहुत भद्दे लगते हैं। इस प्रकार की त्वचा के लिए होंठों पर मलाई व एंटीसैप्टिक क्रीम का प्रयोग करें। रात को सोने से पहले पैट्रोलियम जैली भी लगा सकती हैं।

पावर ड्रेसिंग

कभी ठेठ पुरुषों के कहलाने वाले परिधान भी अब महिलाएँ नए-नए प्रयोगों के साथ पहन रही हैं। जींस, ट्राउजर, स्कर्ट्स, मिडीज, इवनिंग गाउंस तथा कॉर्पोरेट

पहनावा

सूट्स अब केवल महानगरों की युवतियों या महिलाओं की पहचान भर होकर नहीं रह गए हैं। छोटे शहरों तथा कस्बों में भी ये युवतियों और महिलाओं की पसंद बन चुके हैं। यही नहीं गाँवों तक अब जींस और टीशर्ट का क्रेज पहुँच चुका है। वहीं महानगरों तथा छोटे शहरों में महिलाएँ परिधानों में प्रयोग के मामले में काफी आगे निकल चुकी हैं। साड़ी को पहनने के तरीके और अवसर भी अब काफी बदल चुके हैं। वर्किंग वूमन का पहनावा तो अब ग्लोबल पहनावे के स्तर का रूप धारण कर चुका है।

इन परिधानों में भी कई प्रयोग स्त्री के रचनात्मक व्यवहार को ध्यान में रखकर किए जा रहे हैं। जैसे महिलाओं के कॉर्पोरेट सूट्स केवल बोरिंग ग्रे, व्हाइट या ब्लैक कलर में ही पहनने की शर्त नहीं है। इनमें पर्पल, मरून से लेकर पीच, पिंक, ब्लू आदि कलर्स भी दिखाई देते हैं। वहीं सूट या स्कर्ट के साथ फ्रिल वाले, जॉर्जेट या शिफॉन से बने शर्ट भी खासे पसंद किए जाते हैं। कुल मिलाकर अब स्त्री का पहनावा उसकी छवि को बाँधता नहीं बल्कि नए अर्थों में उसकी स्वतंत्रता को परिभाषित करता नजर आता है। वह वही पहनती है जो उसको आरामदायक और अच्छा लगता है।

एक्सेसरीज जितने प्रयोग महिलाओं के परिधानों को लेकर हुए हैं उससे कहीं ज्यादा ही प्रयोग एक्सेसरीज के क्षेत्र में हुए हैं। बेल्ट, घडियाँ, ज्वेलरी, मोबाइल कवर्स, लैपटॉप कवर्स, जूते, हैट्स, कैप्स जैसी वस्तुओं के अलावा परंपरागत अँगूठियों, टो रिंग्स, ईयररिंग्स जैसी वस्तुओं तक के नए रूप आज देखने को मिल जाएँगे। इतना ही नहीं अब महिलाओं की पसंद भी इस मामलें में बदली है। चौड़े डायल वाली घड़ियाँ, अजीबो-गरीब या फंकी ज्वेलरी, जूते आदि के मामले में अब स्त्री-पुरूष वाली सीमा रेखा हट चुकी हहै और ये केवल पुरूषों तक सीमित नही रही। इसके कारण डिजाइनर विशेषतौर पर अब महिलाओं के लिए इस तरह की एक्सेसरीज तैयार कर रहे हैं। जिनसे कर्मशील छवि भी झलके और महिलाओं की तरह की रचनात्मकता भी।

हनी पाई

सामग्री : 1 पैकेट मारी बिस्किट, 100 ग्राम पिघला हुआ बटर, 250 ग्राम पनीर, 200 ग्राम फैंटी हुई क्रीम, 4-4 टेबलस्पून हनी और शक्कर, 2 टीस्पून नींबू के छिलके कद्दकस किए हुए, 3-4 टेबलस्पून नींबू का रस, 2 टीस्पून जिलेटिन।

विधि : बिस्किट का चूरा करके पिघले हुए बटर में मिला कर बर्तन में फैला कर आधे घंटे तक फ्रिज में रखें। निंबू के रस में जिलेटिन घोल लें। पनीर को फैंट कर उसमें सभी सामग्री मिला कर बिस्किट के सांचे में डालें। ठंडा होने के लिए फ्रिज में रख दें।

कम नींद से डायबिटीज़ !

अगर आप रोजाना छह घंटे से कम सोते हैं, तो समझ लें कि आप कभी भी ब्लड शुगर की समस्या से दो-चार हो सकते हैं, जिसका सीधा मतलब है, डायबिटीज की चपेट में आना।

शोधकर्ताओं ने पाया है कि जो लोग रोजाना पांच घंटे की ही नींद लेते हैं, उनके टाइप-2 डायबिटीज की चपेट में आने की संभावना पांच गुना ज़्यादा होती है। वैज्ञानिक कहते हैं कि अच्छी सेहत के लिए कम से कम सात घंटे की नींद जरूरी है, लेकिन जिस तरह से पूरी दुनिया में लाइफस्टाइल बदल रहा है, उससे इतने घंटे नींद ले पाना मुमकिन नहीं है।

शोधकर्ताओं का कहना है कि बहुत ज्यादा या बहुत कम सोने से हार्मोन में कुछ ऐसे बदलाव आते हैं, जिनसे मेटाबॉलिज्म व भूख पर कंट्रोल की प्रक्रिया प्रभावित होती है। शोध के दौरान वैज्ञानिकों ने पाया कि जो लोग छह घंटे से कम की नींद ले रहे हैं, उनमें ग्लूकोज फास्टिंग को प्रभावित करने वाली व्याधि पैदा हो जाती है। जो लोग छह से आठ घंटे सोते हैं, उनमें इस बीमारी की चपेट में आने का खतरा कम होता है।

कम सोने की वजह से सुबह के समय इंसुलिन घटने से शुगर लैवल बढ़ जाता है। इस शोध की लीडर और न्यूयॉर्क में बफैलो यूनिवर्सिटी की विज्ञानी लीजा राफाल्सन के अनुसार अब तक माना जाता था कि डायबिटीज होने के लिए अन्य कारणों के साथ ही आनुवांशिक वजहें भी होती हैं और खास तरह के जींस वाले लोग डायबिटीज़ की चपेट में आते हैं, लेकिन ताजा शोध से पता चला है कि ठीक ढंग से पूरी नींद न लेने से भी यह बीमारी हो सकती है।

हेल्थ प्लस

सैल्फ मैडिकेशन से बचें

सेहत संबंधी आम समस्याओं के इलाज के लिए अक्सर लोग बगैर डॉक्टर की सलाह लिए खुद ही दवाई ले लेते हैं। इससे बीमारी का सही इलाज देर से शुरू होता है और कई बार बीमारी पूरी तरह ठीक भी नहीं हो पाती। यह आदत कितनी जानलेवा हो सकती है, इसका कई बार मरीज को तब पता चलता है, जब इसके साइड इफैक्ट्स उसके शरीर को अंदर से पूरी तरह खराब कर चुके होते हैं।

- हो सकता है कि आपको किसी दवा से एलर्जी हो या कोई साल्ट आपको सूट न करे, ऐसी स्थिति में टॉक्सिक रिएक्शन हो सकता है, जो कई बार खतरनाक साबित हो सकता है।
- मार्किट में कुछ ऐसी दवाएं आज भी मौजूद हैं, जिनके खतरनाक साइड इफैक्ट्स के कारण उन पर विदेशों में पाबंदी लग चुकी है, लेकिन भारतीय बाजारों में धड़ल्ले से बिक रही हैं। इन दवाओं का बिना जानकारी खुद इस्तेमाल करना आपकी समस्याओं में बढ़ौतरी ही करेगा।
- कोई भी व्यक्ति खुद दवा की मात्रा, उसका असर, उसके साइड इफैक्ट्स जान नहीं सकता, केवल डॉक्टर ही यह काम सही ढंग से कर सकता है। किसी एक व्यक्ति की डोज दूसरे के लिए ओवर डोज हो सकती है।
- कई बार लोग डॉक्टर के पुराने प्रैस्क्रिप्शन के अनुसार दवाई ले लेते हैं, लेकिन यदि आप एक ही मैडिसिन लेते रहेंगे, तो आपके शरीर की इम्यूनिटी डिवेल्प हो जाएगी और अगली बार ज्यादा डोज की जरूरत पड़ेगी।
- जब आप अपनी मर्जी से कुछ दवाएं एक साथ लेते हैं, तो ड्रग कॉम्बीनेशन गलत हो सकता है, जो घातक साबित हो सकता है।
- सबसे ज्यादा पेनकिलर्स का दुरुपयोग होता है। किसी भी तरह का दर्द होने पर व्यक्ति तुरंत कोई दवा ले लेता है। ज्यादा पेनकिलर्स के इस्तेमाल से किडनियों को नुकसान होता है और कई तरह के ब्लीडिंग डिस्ऑर्डर भी हो सकते हैं।
- डॉक्टर ने जितने समय तक दवाई लेने की हिदायत दी है, उतना समय दवाई लेने के बाद चैकअप जरूर करवाएं।

आंखों को सेहतमंद रखने के रास्ते में कई मिथ बहुत बड़ी रुकावट हैं। भरोसा करने से पहले तथ्यों की पड़ताल जरूरी है। इन मिथ्स से जुड़े फैक्ट्स के बारे में जानकर आप अपनी आंखों की अच्छी तरह हिफाजात कर सकते हैं...

आंखों का सच

आंखें बेशकीमती हैं, इसलिए इनकी देखभाल बहुत जरूरी है। फिजिकल और मैंटल हैल्थ के साथ-साथ विजुअल हैल्थ भी बहुत जरूरी है। जब एक आंख में कोई समस्या होती है, तो आमतौर पर दूसरी आंख क्षतिपूर्ति कर देती है। इसलिए आम आदमी शुरुआती स्टेज पर आई डिजीस की पहचान नहीं कर पाता है।

आंखों के बारे में गलत जानकारी के कारण हम खतरों को कम करके आंकते हैं और अनजाने में ही लापरवाही बरत जाते हैं, जिसका खमियाजा आंखों को भुगतना पड़ता है। आंखों से संबंधित कुछ ऐसे मिथ हमारे बीच व्याप्त हैं, जिनका कोई वैज्ञानिक आधार नहीं हैं। फिर भी ये धारणाएं सहजता से सबके बीच मान्य हैं। मजेदार बात यह है कि ये धारणाएं पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलती जाती हैं और साथ ही पुख्ता होती जाती हैं। कुछ जानकारियां ऐसी भी होती हैं, जिनसे हमारा भला नहीं होता, अलबजा नुकसान जरूर हो जाता है। आइए,गौर करें ऐसी ही कुछ भ्रांतियों पर

मिथ:आई एक्सरसाइज से ऐनक की जरूरत देर से पड़ेगी।

फैक्ट: आई ए सरसाइज से न तो विजन इम्प्रूव होता है और न ही प्रिजर्व। इससे ऐनक की जरूरत कम नहीं होती। विजन आंख की शेप और आंख के टिश्यूज की हैल्थ समेत कई फैक्टर्स पर निर्भर करता है। इनमें से किसी भी फैक्टर में आंख की एक्सरसाइज से महत्वपूर्ण ढंग से बदलाव नहीं आता।

मिथ: कम रोशनी में पढ़ने से विजन खराब होता है।

फैक्ट: हालांकि कम रोशनी आपकी आई साइट पर प्रतिकूल असर नहीं डालती, लेकिन कम रोशनी के कारण आपको पढ़ते समय आंखों पर ज्यादा स्ट्रेन डालना पड़ता है, इससे आपकी आंखें बहुत जल्दी थक जाती हैं। पढ़ते समय लाइट सीधी पेज पर पड़नी चाहिए, नाकि यह आपके कंधे के पीछे से आए। डैस्क लैंप सबसे बढ़िया है, योंकि इसकी रोशनी सीधी आपकी किताब पर पड़ती है। यदि रोशनी आपके पीछे से आ रही हो, तो इससे चमक पैदा होगी, जिससे शब्दों को देखने में ज्यादा मुश्किल होगी।

मिथ: गाजर खाना आंखों के लिए अच्छा है।

फैक्ट: इस तथ्य में कुछ सच्चाई जरूर है। गाजर समेत कई सब्जियां ऐसी हैं, जिनमें विटामिन ए होता है, जो आंखों के लिए बढ़िया होता है। लेकिन फ्रैश फ्रूट्स और गहरे हरे रंग की पत्तेदार सब्जियां, जिनमें ज्यादा एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन सी व ई पाए जाते हैं, ज्यादा बेहतर हैं। एंटी ऑक्सीडेंट्स व विटामिन मोतियाबिंद और उम्र से संबंधित मस्कुलर डीजेनरेशन से आंखों के बचाव में मदद करते हैं। हालांकि इन विटामिनों से युक्त कोई सब्जी या सप्लीमेंट लेने से बेसिक विजन प्रॉब्लम्स (जैसे दूर या नजदीक की आई साइट वीक होना) से न तो बचा जा सकता है और न ही इन्हें दूर किया जा सकता है। याद रखें विटामिन ए का ज्यादा सेवन सही नहीं होता।

मिथ: हर समय ऐनक पहनने की जरूरत नहीं होती।

फैक्ट: यदि आपकी दूर की नजर कमजोर है या आपको पढ़ने के लिए ऐनक की जारूरत होती है, तो आपको इन्हें जरूर इस्तेमाल करना चाहिए। यदि आप ऐनक के बगैर पढ़ने की कोशिश करेंगे, तो आंखों पर स्ट्रेन पड़ेगा, जिससे वे थक जाएंगी। ऐनक के इस्तेमाल से आपका विजन खराब नहीं होगा और न ही आपको आंखों से संबंधित कोई समस्या आएगी।

मिथ: सारा दिन कंप्यूटर स्क्रीन के सामने काम करने से आंखें खराब हो जाती हैं।

फैक्ट: हालांकि कंप्यूटर के इस्तेमाल से आपकी आंखें खराब नहीं होंगी, लेकिन सारा दिन इस पर काम करने से आंखों पर स्ट्रेन पड़ता है और आंखें थक जाती हैं। लाइट को एडजस्ट करें, ताकि स्क्रीन पर इसकी चमकीली छाया न पड़े। जब भी आप कंप्यूटर पर पढ़ने का या कोई बारीक काम करें, तो हर एक घंटे बाद आंखों को कुछ समय के लिए आराम करने दें। जो व्यक्ति कंप्यूटर पर काम करते समय आंखें नहीं झपकाते, उससे आंखें खुश्क हो जाती हैं। नियमित तौर पर आंखें झपकाते रहें, ताकि आंखों में नमी बरकरार रहे और ये ड्राई न हों।

फैट सॉल्यूबल विटामिंस

मानव शरीर में विभिन्न कार्यों के लिए थोड़ी मात्रा में विटामिंस का सेवन बहुत जरूरी है। विटामिंस को दो भागों में बांटा जा सकता है- वॉटर सॉल्यूबल विटामिंस और फैट सॉल्यूबल विटामिंस। विटामिन ए, डी, ई और के फैट सॉल्यूबल विटामिंस हैं। अच्छी सेहत के लिए इनकी कुछ मात्रा का भोजन में शामिल होना बहुत जरूरी है। जिन खाद्य पदार्थों में ये विटामिन पाए जाते हैं, उन्हें पकाने पर ये नष्ट नहीं होते। शरीर को इन विटामिनों की रोजाना जरूरत नहीं होती, क्योंकि जब ये इस्तेमाल नहीं होते, तब ये लिवर और फैटी टिश्यूज में स्टोर हो जाते हैं। यही कारण है कि ज्यादातर लोगों को इन विटामिनों के सप्लीमेंट्स की जरूरत नहीं होती। चूंकि विटामिन ए, डी, ई या के लंबे समय तक शरीर में स्टोर किए जा सकते हैं, इसलिए इनकी अधिक डोज टॉक्सिक हो सकती है और इससे कई तरह की सेहत संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

ब्लू कलर की बॉडीकॉन ड्रेस में

वाणी कपूर

लगीं गजब की बला

एक्ट्रेस वाणी कपूर भले ही फिल्मों की सुपरहिट से दूरी पर हों, लेकिन उनकी कातिलाना अदाएं सोशल मीडिया पर अक्सर सुर्खियां बटोरती रहती हैं। वहीं, एक्ट्रेस वाणी कपूर ने ब्लू कलर के आउटफिट में अपनी ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं। वहीं, एक्ट्रेस वाणी कपूर की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। एक्ट्रेस वाणी कपूर अपनी दिलकश अदाओं से फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ाए रहती हैं। वाणी कपूर ने ब्लू कलर की बॉडीकॉन ड्रेस में अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट किया है। न्यूड मेकअप और स्टाइलिश हेयर स्टाइल में वाणी कपूर बेहद ही हॉट लग रही है। एक्ट्रेस वाणी कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वो अपनी तस्वीरें और वीडियो फैंस के लिए शेयर करती रहती हैं। इस ड्रेस में वाणी कपूर बेहद सुंदर और गजब की बला लग रही हैं। उनका कातिलाना लुक देखकर कोई भी फिदा हो जाए। वाणी कपूर ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरें अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया है। सोशल मीडिया पर वाणी कपूर की ये लेटेस्ट तस्वीरें सामने आते ही फैंस का हुजूम लाइक और कमेंट्स करने में जुट गया। बॉलीवुड स्टार रणबीर कपूर की फिल्म शमशेरा में नजर आईं थीं। हालांकि ये फिल्म बॉक्सऑफिस पर खासा कमाल नहीं दिखा पाईं। वाणी कपूर की इंस्टाग्राम पर जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। उनके इंस्टा पर 6.3 मिलियन फॉलोवर्स हैं।

रणवीर सिंह की सर्कस का टीजर जारी, डबल रोल में दिखे अभिनेता

अभिनेता रणवीर सिंह की कॉमेडी फिल्म सर्कस जल्द सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म क्रिसमस के अवसर पर 23 दिसंबर को दर्शकों के बीच आ रही है। अब मेकर्स ने इसका मजेदार टीजर जारी कर दिया है। इसमें फिल्म के सभी कलाकारों की झलक दिखी है। खास बात यह है कि टीजर में लीड कलाकार रणवीर को डबल रोल में देखा गया है। फिल्ममेकर रोहित शेट्टी ने इसका निर्देशन किया है।

रणवीर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म का टीजर शेयर किया है। उन्होंने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, हमारी दुनिया में आपका स्वागत है। 2 दिसंबर को आ रहा है इसका ट्रेलर। टीजर में जैकलीन फर्नांडिस, पूजा हेगड़े, जॉनी लीवर, संजय मिश्रा, टीकू तलसानिया, बृजेंद्र काला, सिद्धार्थ जाधव, वरुण शर्मा और अश्विनी कालसेकर नजर आए हैं। हालांकि, इसमें फिल्म की कहानी और किरदारों को लेकर कुछ भी नहीं बताया गया है।

टीजर में रणवीर कहते हुए दिखे, आमतौर पर सर्कस उस जमाने की फिल्म है, जब लाइफ सिंपल थी। तब मां-बाप का प्यार ज्यादा जरूरी था, सोशल मीडिया के लाइक्स नहीं। जॉनी ने बताया कि इसकी कहानी दर्शकों को 1960 के दशक की पृष्ठभूमि में लेकर जाएगी। इसमें रणवीर के साथ-साथ अभिनेता वरुण ने भी अपनी दोहरी भूमिका से लोगों का ध्यान खींचा है। टीजर में सभी कलाकार खूब हंसी-ठिठोली करते हुए नजर आए।

23 दिसंबर को सर्कस अकेले ही रिलीज होगी और इसे क्लैश का सामना नहीं करना पड़ेगा। उम्मीद है कि साल के अंत में यह फिल्म दर्शकों को सिनेमाघरों में जुटाने में सफल साबित होगी। यह फिल्म विलियम शेक्सपियर के नाटक द कॉमेडी ऑफ एर्रस का रूपांतरण होगा। इस फिल्म में दो जुड़वा मालिक और दो जुड़वा नौकरों की कहानी को दिखाया जाएगा, जो बचपन में एक-दूसरे से बिछड़ जाते हैं।

कोरोना महामारी के कारण कई बार सर्कस की शूटिंग रोकनी पड़ी थी। सर्कस को रिलायंस एंटरटेनमेंट के बैनर तले टी-सीरीज के सहयोग से निर्मित किया जाएगा। फिल्म की रिलीज को लेकर रोहित शेट्टी काफी उत्साहित हैं। उन्होंने अपने एक बयान में कहा था, फिल्म सर्कस पूरी तरह एक फैमिली एंटरटेनर फिल्म है। सभी जगह सिनेमाघरों में फिल्म का जश्न मनाने के लिए क्रिसमस की छुट्टियों से बेहतर कोई और मुफीद समय नहीं है।

रणवीर और रोहित की जोड़ी हिट रही है। इन दोनों ने सिम्बा और सूर्यवंशी के लिए भी हाथ मिलाया था। इन दोनों फिल्मों को भी दर्शकों का अपार प्यार मिला था।

इब्राहिम की पहली फिल्म के लिए सालों बाद साथ आए करण और काजोल

करण जौहर और काजोल ने कुछ कुछ होता है से लेकर दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे और कभी अलविदा ना कहना जैसी कई हिट फिल्मों में साथ काम किया है अब यह हिट जोड़ी फिर साथ आ रही है। दरअसल, काजोल ने करण के प्रोडक्शन हाउस की अगली फिल्म साइन कर ली है। यह वही फिल्म है, जिसके जरिए सैफ अली खान के 21 वर्षीय बेटे इब्राहिम अली खान अभिनय की दुनिया में कदम रखेंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, काजोल, इब्राहिम अली खान की पहली फिल्म से जुड़ गई हैं, जिसके निर्माता करण हैं। इस फिल्म का निर्देशन बोमन ईरानी के बेटे कायोज ईरानी कर रहे हैं। इसमें इब्राहिम के साथ काजोल लीड रोल में होंगी। करण और काजोल ने पिछली बार 2010 में आई फिल्म माय नेम इज खान में साथ में काम किया था। काजोल और करण 12 साल बाद फिर साथ काम करने के लिए बेहद उत्साहित हैं।

करण की इस फिल्म की कहानी सुरक्षा बल पर आधारित होगी। फिल्म बड़े बजट में बन रही है, जो अगले साल रिलीज हो सकती है। करण, इब्राहिम को बॉलीवुड में लॉन्च करने के लिए तैयार हैं और उनकी पहली फिल्म को धमाकेदार बनाने में वह कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। करण के साथ रहकर ही इब्राहिम ने फिल्ममेकिंग की बारीकियां सीखीं। वह उनकी फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के सहायक निर्देशक रह चुके हैं।

काजोल, इब्राहिम के पिता सैफ अली खान के साथ भी काम कर चुकी हैं। दोनों ने दिल्लगी और हमेशा जैसी फिल्मों में साथ काम किया। पिछली बार सैफ-काजोल फिल्म तानाजी: द अनसंग वॉरियर में नजर आए थे, जो बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी।

काजोल पिछले कुछ समय से फिल्म सलाम वेंकी को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इसमें वह एक मां का किरदार निभा रही हैं। फिल्म सच्ची कहानी पर आधारित है, जिसमें एक मां अपने बेटे के सामने आने वाली हर चुनौती से लड़ती दिखाई देगी। फिल्म में काजोल के बेटे की भूमिका विशाल जेठवा ने निभाई है। फिल्म में राहुल बोस, राजीव खंडेलवाल, प्रकाश राज और अहाना कुमरा भी अहम भूमिकाओं में हैं। सलाम वेंकी 9 दिसंबर को सिनेमाघरों में आएगी।

एक तरफ करण की फिल्म गोविंदा नाम मेरा चर्चा में है, जिसके हीरो विक्की कौशल हैं। दूसरी तरफ वह पहली बार अपने करियर की एक्शन एंटरटेनर फिल्म योद्धा लेकर आ रहे हैं, जिसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के निर्देशन की कमान करण संभाल रहे हैं, वहीं फिल्म दोस्ताना 2 भी उनकी आने वाली फिल्मों में शुमार है। करण फिल्म बेधड़क पर भी काम कर रहे हैं।

इरफान खान का बेटा होने का नहीं मिला फायदा

ऑडिशन में मिली असफलता : बाबिल खान

दिवंगत अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान जल्द बॉलीवुड में अपना डेब्यू करने वाले हैं। उनकी पहली फिल्म काला 2 दिसंबर को स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इसी बीच अब बाबिल ने अहम खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें फिल्म इंडस्ट्री में इरफान का बेटा होने का कोई फायदा नहीं मिला है। बाबिल ने बताया कि उन्हें ऑडिशन में कई बार असफलता का मुंह देखना पड़ा है। उन्होंने कहा कि वह अपने पिता के नाम का इस्तेमाल करके करियर में आगे नहीं बढ़ना चाहते। वह इसे अपने उसूलों के खिलाफ मानते हैं। उन्होंने बताया, मुझे नहीं लगता कि मेरी मां कभी किसी को फोन करके मेरा फेवर कर सकती हैं। मुझे ऑडिशन देने ही पड़ेंगे, नहीं तो मार पड़ेगी घर पे! ये हमारे संस्कार हैं। इसे तोडऩे की कोई गुंजाइश नहीं है।

बाबिल ने कहा कि वह आज भी ऑडिशन दे रहे हैं और ज्यादातर बार उन्हें रिजेक्शन मिल रहा है। उनका कहना है कि ऑडिशन में पास नहीं होने पर उनकी मां गुस्सा हो जाती हैं। इसके बावजूद उन्हें रोल दिलाने के लिए उनकी मां ने कभी उनकी पैरवी नहीं की। यह बात जगजाहिर है कि बाबिल पर अपने पिता इरफान की विरासत को आगे बढ़ाने की चुनौती होगी। इसके लिए वह काफी मेहनत भी कर रहे हैं। काला में बाबिल के साथ तृप्ति डिमरी नजर आने वाली हैं। ट्रेलर में दोनों की केमिस्ट्री को पसंद किया गया। इसमें स्वास्तिका मुखर्जी, अमित सियाल, अभिषेक बनर्जी और वरुण ग्रोवर भी नजर आएंगे। यह एक साइकोलॉजिकल ड्रामा है, जिसका निर्देशन अन्विता दत्त ने किया है। फिल्म में 1940 के दशक की कोलकाता की पृष्ठभूमि को दिखाया गया है। अब देखना दिलचस्प होगा कि बाबिल की पहली फिल्म क्या कमाल कर पाती है।

बाबिल के खाते में यशराज फिल्म्स की पहली वेब सीरीज द रेलवे मेन भी है, जो भोपाल गैस त्रासदी पर आधारित होगी। आर माधवन और केके मेनन भी इसका हिस्सा हैं। वह शूजित सरकार की फिल्म उमेश क्रॉनिकल्स में भी नजर आएंगे। इस फिल्म के जरिए बाबिल का अमिताभ बच्चन के साथ काम करने का सपना पूरा होने जा रहा है। फरहान अख्तर की सीरीज फ्राइडे नाइट प्लान में भी वह अपनी मौजूदगी दर्ज कराने वाले हैं। 29 अप्रैल, 2020 को मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में इरफान 54 साल की उम्र में इस दुनिया को अलविदा कह गए। इरफान कैंसर की बीमारी से पीड़ित थे। 2018 में इरफान ने सभी को बताया था कि वह कैंसर से जूझ रहे हैं।

जल्द आएगी अजय देवगन अभिनीत दृश्यम 3, निर्देशक अभिषेक पाठक ने की पुष्टि

अभिनेता अजय देवगन की थ्रिलर फिल्म दृश्यम 2 का खुमार दर्शकों के सिर चढ़कर बोल रहा है। पहले भाग की तरह इसके दूसरे भाग को भी सिनेमाघरों में शानदार प्रतिक्रिया मिली है। अब निर्देशक अभिषेक पाठक ने दृश्यम 3 की पुष्टि कर दी है। एक इंटरव्यू में उन्होंने फिल्म की अगली किस्त को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की है। इसमें फिर अजय पर्दे पर मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं।

उन्होंने कहा, लोग अभी उत्साहित हैं, इसलिए वे इसके तीसरे और चौथे भाग की थ्योरी पर बात कर रहे हैं। लेकिन अभी फिल्म को रिलीज हुए करीब एक सप्ताह ही हुआ है। निश्चित रूप से फिल्म के तीसरे भाग की मांग है और यह बनेगा भी। जब हमारे पास कुछ समय होगा, तो हम सोचेंगे कि अगले भाग में क्या करना है।

अभिषेक ने फिल्म के 100 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल होने पर अपनी खुशी जताई। दर्शकों की मिली प्रतिक्रियाओं से वह काफी गदगद हैं। कुछ समय पहले एक इंटरव्यू में निर्देशक जीतू जोसेफ ने मोहनलाल और बाकी कलाकारों को साथ लेकर दृश्यम 3 बनाने का ऐलान किया है। हालांकि, अभी इसकी कहानी भी नहीं लिखी गई है। फिल्म की स्क्रिप्ट को तैयार करने में मेकर्स को अधिक समय लग सकता है।

दृश्यम 2 ने भारत में 112.53 करोड़ रुपये कमाए हैं। इसने अपने पहले वीकेंड में ही 64.14 करोड़ रुपये जुटा लिए थे। शुक्रवार को फिल्म ने अपने खाते में 7.87 करोड़ रुपये का इजाफा किया। फिल्म 18 नवंबर को बड़े पर्दे पर आई थी। फिल्म में तब्बू, श्रिया शरन, इशिता दत्ता और कमलेश सावंत मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसमें अक्षय खन्ना की पुलिस अधिकारी के रूप में एंट्री हुई है, जो अजय से दो-दो हाथ करते दिखे। दृश्यम 2015 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इसका निर्देशन निशिकांत कामत ने किया था, जो अब इस दुनिया में नहीं रहे। दोनों ही फिल्में इसी नाम की मलयालम फिल्म की रीमेक हैं। मलयालम की दोनों फिल्मों में मोहनलाल ने मुख्य भूमिका निभाई है। मलयालम भाषा की दृश्यम 2 पिछले साल रिलीज हुई थी। वहीं, इसका पहला भाग 2013 में सिनेमाघरों में आया था। उम्मीद है कि दृश्यम 3 को भी दर्शकों का खूब प्यार मिलेगा। दृश्यम 2 से पहले अभिषेक उजड़ा चमन बना चुके हैं। उन्हें फिल्ममेकिंग के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिल चुका है। उनकी लघु फिल्म बूंद के लिए 2009 में उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा गया था।

संजना संघी ने साइन की नई फिल्म! मिला पंकज त्रिपाठी का साथ

अभिनेत्री संजना संघी बॉलीवुड में अपने पांव जमाने के लिए जी-तोड़ मेहनत कर रही हैं। पिछली बार उन्हें फिल्म दिल बेचारा में लीड भूमिका में देखा गया था। उसके बाद से ही दर्शक उनकी अगली फिल्म की राह देख रहे थे। अब खबर है कि उन्होंने एक नई फिल्म साइन कर ली है और खास बात यह है कि इसमें वह बॉलीवुड के बेहतरीन अभिनेताओं में से एक पंकज त्रिपाठी के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी।

फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया, संजना जल्द ही निर्देशक अनिरूद्ध रॉय चौधरी की अगली फिल्म में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगी, जो पिंक जैसी शानदार फिल्म दर्शकों के बीच पेश कर चुके हैं। उन्होंने यह फिल्म साइन कर ली है। सूत्र ने बताया, संजना इसमें पंकज त्रिपाठी के साथ दिखने वाली हैं। अभिनेत्री पार्वती थिरुवोथु भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म में कई जाने-पहचाने चेहरे दिखेंगे, जिनके नाम निर्माता अभी बाहर नहीं आने देना चाहते।

हिंदी सिनेमा में छोटे-छोटे किरदार निभाकर आज लोगों की पहली पसंद बनने वाले पंकज त्रिपाठी बॉलीवुड से लेकर ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी अपना नाम कमा चुके हैं। अपने दमदार अभिनय से सबको अपना दीवाना बनाने वाले पंकज फिल्म ओह माय गॉड 2 में भी दिखेंगे।

संजना और पंकज अभिनीत यह फिल्म विज फिल्म्स के बैनर तले बन रही है, जो सलमान खान की डॉक्यूमेंट्री सीरीज सलमान खान: बियॉन्ड द स्टार लेकर आ रहा है। फिल्म के लिए कलाकारों का चयन हो चुका है और कहानी भी फाइनल हो गई है। जल्द ही इसके प्री-प्रोडक्शन का काम शुरू होगा। निर्माता आने वाले दिनों में फिल्म की घोषणा करेंगे। अभी इस फिल्म का नाम तय नहीं हुआ है और ना ही इसकी रिलीज डेट सामने आई है।

संजना ने पिछले दिनों सोशल मीडिया पर अपनी एक तस्वीर पोस्ट की थी, जिसके बाद कयास लगाए जाने लगे थे कि वह अपनी नई फिल्म की तैयारी कर रही हैं। उन्होंने लिखा था, मेरे पास यह बताने के लिए शब्द नहीं हैं कि मैं अपने अगले सफर की शुरुआत करने के लिए कितनी उत्साहित हूं। मैं इस कहानी से जुड़कर सम्मानित महसूस कर रही हूं। आपको अपनी अगली फिल्म के बारे में बताने का अब और इंतजार नहीं कर सकती।

संजना जब आठवीं क्लास में थीं तो उन्हें पहली बार बड़े पर्दे पर इम्तियाज अली की फिल्म रॉकस्टार में काम करने का मौका मिला था। उन्होंने बार बार देखो, फुकरे रिटर्न्स और हिंदी मीडियम में सहायक भूमिका निभाई। इसके अलावा संजना शॉर्ट फिल्म उलझे हुए में भी दिखीं। 2020 में उन्हें दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की फिल्म दिल बेचारा में काम करने का मौका मिला। दोनों की जोड़ी खूब पसंद की गई और इसी फिल्म से संजना लोकप्रिय हुईं।